



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—पार्ट 3—उप-पार्ट (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 215]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 6, 1990/ज्येष्ठ 16, 1912

No. 215] NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 6, 1990/JYAISTHA 16, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

अमर मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 जून, 1990

मा. नं. 550 (अ)---कोडन अनु विनियम, 1957 का ग्रीष्म संग्रहन कानून के तिन कुछ विनियमों का, एक प्रारूप बान अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की वार 59 की उपचारा (1) के अधीन भारत गवर्नर के थम मंत्रालय की अधिसूचना में, वा अ. 732, गोप्य 23 जून, 1988 अंतर का, अ. म. 287 (अ), नारीव 15 जुलाई, 1988 के अधीन, भारत के राजपत्र अनुदारण भाग 2, अध्य 3(i), गोप्य 15 जुलाई, 1989 में प्रकाशित किया गया था, जिसमें उक्त विनियमों से उक्त अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीव में तीन मास की अवधि के अध्यान तक आक्षेप अंतर गत्याव मारे गए थे, जिनके उक्ते प्रभावित होने की मंशावनी थी।

ग्रीष्म उक्त राजपत्र नारीव 1 अगस्त 1988 अंतर 23 अगस्त, 1988 को जनना को उपलब्ध करा लिया गया था।

ग्रीष्म केन्द्रीय सचिवालय ने अ. प्राप्त के मंत्रध में गमन से प्राप्त आक्षेपों और सूचाओं पर विचार बार लिया है।

अतः केन्द्रीय सचिवालय उक्त अधिनियम की वारा 57 वारा ग्रदत्त विनियमों का प्रयोग करने हए उक्त अधिनियम की वारा 59 की उपचारा (4) की अधिकानुसार उक्त विनियम को उक्त अधिनियम के अधीन गठित अमिति को निर्देशित करने आंतर उक्त उक्त विनियमों की जनने की समीक्षीता आंतर उपयुक्त पर रिपोर्ट करने का सुविधापूर्वक प्रबन्ध देने के पश्चात् कोयला बान विनियम, 1957 का ग्रीष्म नंगोद्धार करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनानी है अर्थात् ।

(1) उक्त विनियमों का मंदिर नान कोयला बान मंशोद्धार विनियम, 1989 है।

(2) ये गोप्यमें प्रकाशन की नारीव को प्रवृत्त होंगे।

2. कोयला बान विनियम, 1957 (जिन्हें इसमें इसके पश्चात उक्त विनियम कहा गया है) के विनियम 2 के अध्य (34) के पश्चात निम्नलिखित अध्य अंतः स्थापित किया जायगा, अर्थात् ।

"(34क) बूद्धि में ऐसा उत्तरान अभिप्रेत है जो किसी बान में कोयले का पन लगने या कोयला अभिप्राप्त करने के लिए किया जाता है या किया जा रहा है।"

3. उक्त विनियमों के विनियम 11 के उपविनियम (10) के पश्चात निम्नलिखित परम्परा अंतः स्थापित किया जायगा, अर्थात् ।

"परन्तु यदि किसी बैठक में यथापूर्वोक्त गणपूर्ण नहीं है तो बैठक स्वतः ही मात्र रित पश्चात् की नारीव को या अंतिम तिन

सर्वेजस्मिक छढ़ी है तो अगले दूरी दिवान वे लिए स्थानित हो जाएगी और स्थिति बैठक के लिए समय, स्थान और कार्यसूची अप्रतिविवित रहेंगे। ऐसी बैठक में इस बात को विचार में लाये जिसकि इसमें किन्तु सदस्य हाजिर हैं, काम का निपटारा विधिशुद्ध होगा।"

4. उक्त विनियमों के विनियम 15 में—

(1) उपविवितम् (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपविवितम् रखा जाएगा, अर्थात्—

(2) प्रबन्धक, सर्वेक्षक, ओवररैन या सरकार के प्रमाणपत्र हेतु किसी परीक्षा के लिए किसी बैठक को नया तक प्रवेश नहीं किया जायेगा जब तक यि उसने किसी पान्ती प्राप्त बोर्ड की माइक्रोफिल विश्लेषण परीक्षा या उसके समतुल्य परीक्षा उसीपै न कर नहीं हो, और इन चालक या विस्फोटकर्ता के प्रमाणपत्र हेतु जब तक वह बोर्ड का यह समाधान न कर वे कि वह पढ़ा लिया है।

परन्तु इन उपविवितम् की किसी बात से यह रद्दी समझा जाएगा कि उपविवितम् के उपबंधों का समाधान न घरें पर 1 जनवरी, 1992 को या उससे पूर्व उपकार के प्रमाणपत्र के लिए किसी परीक्षा में बैठने से वह अविक्त रिवर्जिन हो गया है यदि वह पढ़ते ही उक्त प्रमाणपत्र के लिए किसी परीक्षा में प्रवेश पा चुका था।

(2) उपविवितम् (2) का लोप किया जाएगा।

5. उक्त विनियमों के विनियम 20 के स्थान पर निम्नलिखित विविध रखा जाएगा, अर्थात्—

"20. प्रमाणपत्र देने हेतु लिए फीस—(1) प्रमाणपत्र देने के लिए प्रत्येक दृष्टिकोण की बाबत फीस निम्नलिखित मात्र के अनुसार यी जाएगी—

(क) प्रथम बार प्रबन्धक के प्रमाणपत्र की दशा में	100 रु.
(ख) द्वितीय बार प्रबन्धक के प्रमाणपत्र की दशा में	75 रु.
(ग) सर्वेक्षक के प्रमाणपत्र की दशा में	50 रु.
(घ) ओवररैन के प्रमाणपत्र की दशा में	50 रु.
(इ) सरकार के प्रमाणपत्र की दशा में	30 रु.
(च) प्रथम बार इन चालक के प्रमाणपत्र की दशा में	30 रु.
(छ) द्वितीय बार इन चालक के प्रमाणपत्र की दशा में	25 रु.
(ज) विस्फोटकर्ता के प्रमाणपत्र की दशा में	25 रु.
(झ) गैस परीक्षण प्रमाणपत्र की दशा में	25 रु.
(ट) लैप्टॉप के प्रमाणपत्र की दशा में	25 रु.

(2) विनियम 23 के जब अप्टीन की मूल्य प्रमाणपत्र देने के लिए परीक्षा में पूर्व ही गई है, यथापूर्वक संदेश फैसले पर प्रतिवेदन नहीं किया जाएगा।

6. विनियम 23 में, "अनुबंधित" शब्द के स्थान पर "विहित" शब्द रखा जाएगा।

7. उक्त विनियमों के विनियम 25 का लोप किया जाएगा।

8. उक्त विनियमों के विनियम 26 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्—

"26. प्रबन्धक, सर्वेक्षक, ओवररैन, सरकार, इन चालक, विस्फोटकर्ता या गैस परीक्षण के प्रमाणपत्र का निलम्बन या रद्दकरण (1) यदि प्रावेशिक निरीक्षक की यह राय हो कि प्रबन्धक, सर्वेक्षक ओवररैन, सरकार, इन चालक, विस्फोटकर्ता या गैस परीक्षण के प्रमाणपत्र यह धारक धक्कापूर्ण है या अधिनियम अध्यक्षा इन विनियमों के अधीन इसने कियादेन की उमोदा या उसमें कदाचार का दोषी है तो वह उस मामले को बोर्ड की जानकारी में लाएगा। बोर्ड यह अवधारित करने के लिए कि ऐसा अविक्त (जिसे इस

इनके पश्चात अपकारी कहा गया है) ऐसा प्रमाणपत्र प्रारंभ किया रखने के लिए योग्य है या नहीं जांच करने के लिए उम्मीदिक रिपोर्ट पर उक्त राय अधारित थी, लिखित रूप में प्राधिकृत करेगा। जांच प्रारंभ होने से पूर्व बोर्ड अपकारी को उम्मीदिक के विवरण देगा जिसके संबंध में जांच संस्थित की गई है।

(2) ऐसी जांच के दौरान जांच करने के लिए प्राधिकृत निरीक्षक को सभी सुनिश्चित दस्तावेज दिए जाएंगे और वह निम्नलिखित को अधिकृत करेगा :

- (क) ऐसे साक्षी का माइक्रोफोन जो उसका राय का अधार है;
- (ख) ऐसा कोई साक्षय जो अपकारी देना चाहे;
- (ग) किसी साक्षी का ऐसा साथ्य जो अपकारी प्रस्तुत करना चाहे;
- (घ) ब्रान के प्रबन्धक का साथ्य और
- (इ) कोई अन्य साथ्य को जांच करने वाले निरीक्षक द्वारा आवश्यक या सुनिश्चित समझा जाएँ।

जब नहीं कि अपकारी पर्याप्त सूचना के बावजूद उपस्थित होने में अद्यतन ना रहे, पूर्वोक्त साक्षय अपकारी की उपस्थिति में अधिनियमित किया जाएगा और उसे साक्षी (उसके हाथ प्रस्तुत किया गए संक्षिप्तों से पिछ़) की प्रतिपरीक्षा करने के लिए युक्तियुक्त अवधारणा दिया जाएगा। जांच करने वाला निरीक्षक भी अपकारी और संक्षिप्तों की प्रतिरक्षा कर रहे गए।

(3) जांच करने का निरीक्षक अपनी जांच समाप्त होने की तारीख से पंचदश दिन के भीतर, बोर्ड की अधिकारी जांच करने वाले निरीक्षक के निष्कार्य की प्रतियोगी अपकारी को भी ऐसी जांची जो उन प्रतियोगों को प्रेषण की तारीख के तीस दिन के भीतर बोर्ड को अपना लिखित अध्यावेदन प्रस्तुत कर सकेगा।

(4) संवेदी टिप्पणी और जांच करने वाले निरीक्षक के निष्कार्य की प्रतियोगी अपकारी को भी ऐसी जांची जो उन प्रतियोगों को प्रेषण की तारीख के तीस दिन के भीतर बोर्ड को अपना लिखित अध्यावेदन प्रस्तुत कर सकेगा।

(5) बोर्ड साथ्य और अन्य अधिकारी द्वारा अपकारी हाथ प्रस्तुत किया गए प्रतिविवेत अध्यावेदन, यदि कोई नहीं, पर विवार करने के पश्चात या तो मामले में और जांच करकारुः और नव या अन्यथा अपकारी को उसके विरुद्ध आगेरों से मुकः करेगा या प्रमाणपत्र को, जैसा वह छोड़ समझे, निम्नलिखित या रह करेगा।

(6) हात विनियम के अधीन बोर्ड के किसी एवं देश के विरुद्ध अपील आवेदन के 30 दिन के भीतर केंद्रीय सचिवालय को की जा सकेगी।

(7) जहाँ इन विनियम के अधीन प्रमाणपत्र निलिखित या रहे किया जाता है वहाँ उस प्रमाणपत्र पर या विनियम 23 के अधीन जारी की गई उसकी प्रति पर उपयुक्त पूर्णांकन किया जाएगा।

8. उक्त विनियमों के विनियम 31 में, उपविवितम् (2) के दूसरे परायन और "दि विनियम 149 दा" शब्दों और उपविवितम् (3) में दूसरे, का लोप किया जाएगा।

10. उक्त विनियमों के विनियम 32 के प्रबन्धक निम्नलिखित विनियम अनुसार दिया जाएगा, अर्थात्—

"32-क. संकात अधिकारी की अहेन्दण और दियुकि—हात ब्रान में जहाँ पहली दियो का भीतीय संसार हो, जिसमें औसत उत्पादन 5000 टन से अधिक है या दूसरी अथवा तीसरी दियो पर औसत 12500 टन से अधिक है वहाँ ब्रान के पर्यवेक्षण कार्य में संबालन प्राप्ती के अनुरक्षण में प्रबन्धक की सहायता इन विनियमों के उपबंधों के अनुमार दियो

संबंधित अधिकारी द्वारा की जाएगी। यह ऐसा अनिवार्य होगा जो निम्न-सिद्धित अद्यतना पर्याप्त है।—

(a) किसी ऐसो खान की बाणी में किसी भी संस्थान की ओर जिसका औसत उत्पादन 15,000 टन से अधिक है या किसी ऐसी खान की दशा में जिसमें तूफानी या तांसीरी छिपों का गैसीय संस्थान है और जिसका औसत उत्पादन 10,000 टन से अधिक है, प्रबन्धक का प्रमाणपत्र; और

(b) प्रत्येक अध्य मासने में, विवेक प्रबन्धक का प्रमाणपत्र या विनियम 16 के उपविनियम (1) के परन्तु उस के प्रयोगन के लिये अनुमति द्वारा या खाने इर्जनियरों से कोई छिपों छिपाना।

परन्तु अहों विनियम शर्ते बिधान हैं, वहों प्रावेशिक निरीक्षक, लिखित दावेश द्वारा और उन शर्तों के अधीन जो वह उसमें विनियिक नहीं, इन उपविनियमों के फेरकार में जिसी संबंधित अधिकारी को नियुक्ति को अनुहान या अपेक्षान कर सकता या संबंधित अधिकारी को महायात्रा के लिए उसने अधिकारी को नियुक्ति अपेक्षा कर सकता जिसने प्रावेश में विनियिक नहीं आए।;

परन्तु यह और कि किसी ऐसी खान को दशा में जिसमें पहलों छिपों का कोई गैसीय संस्थान है, और जिसका औसत उत्पादन 15,000 टन से कम है, प्रावेशिक निरीक्षक उसमें लूटाई को प्रहृति और विश्वार परिवाचार करते हुए नियिक दावेश द्वारा और उन शर्तों के अधीन जो वह उसमें विनियिक करे विनियम 31क के अधीन विपुल संबंधित अधिकारी के पद को सुखाना अधिकारी के पद के साथ मिलाने के लिए अनुशास्त कर सकेगा।

स्पष्टीकरण—इस विनियम के प्रयोगन के लिए, “आंसूत उत्पादन” से पूर्ववर्ती वर्ष के दोस्रात सभी संस्थानों को भूमि के नीचे सकिया से भूल उत्पादन का प्रतिमात्र जौन अधिकतम है। जहां खान में विनियम छिपियों के नीचे बांधे संस्थान हों वहां पूर्ववर्ती उत्पादन औंसूत गैसीयता की उच्चतम छिपों के संस्थान से समझा जाएगा।

11. उक्त विनियमों के विनियम 34 के उपविनियम (1) के पश्चात निम्ननियित उपविनियम अनुस्यारी किया जाएगा अर्थात् :—

(1) उपविनियम (1) के अधीन किसी औपरस्तीत को सौंपा गया जिला विवेक आकार का नहीं होगा और न ही इन विनियमों के अधीन उसके कर्तव्यों से विवर कोई प्रतिक्रिया करन्तव्य ऐसा होगा। जिसमें इन विनियमों के अधीन उनका विहित कर्तव्यों के टीक ढंग से निर्विवृत में रुक्षाग्रह संबंध हो और यदि पूर्वाग्रही कर्तव्यों के संबंध में संदेह उत्पन्न होता है तो उसे मुक्त निरीक्षक को विनियम के लिए निर्देशित किया जाएगा।

12. उक्त विनियमों के विनियम 41 के उपविनियम (8) में अस्तित्व के स्थान पर निम्ननियित देखा जाएगा, अर्थात् :—

“ऐसी प्रत्येक खान का परीक्षण और उसके लूटाई और अहों संबंध हो, दूर्विना स्थल का या के फोटो, जिसमें ज्ञारे वर्णित हों, इस प्रयोगनार्थ रखी गई पृष्ठ संषोडित और जिसवर्ष तुरंत में अधिनियम किए जाएंगे और उसकी एक प्रति दूर्विना के प्रनद्ध दिन के भीतर सूख्य निरीक्षण और प्रावेशिक निरीक्षण को देखी जाएंगी।”

13. उक्त विनियमों के विनियम 42क के उपविनियम (2) में “यदि” शब्द के स्थान पर “किसी आपातकात में से विवाय, उपर विनियिक कर्तव्यों से विवर कर्तव्य सुखाना अधिकारी को नहीं नीचे आएगे और जहां नहीं जहां रहे तो :—

14. उक्त विनियमों के विनियम 42-के उपविनियम (2) में, “यदि” शब्द के स्थान पर “किसी आपातकात में सिवाय उपर विनियिक कर्तव्यों से विवर कर्तव्य सुखाना अधिकारी को नहीं नीचे आएगे जहां कहीं शब्द रखे जाएंगे।

15. उक्त विनियमों के विनियम 100 में—

(i) उपविनियम (1) में “मुख्य निरीक्षण” शब्दों के स्थान पर “राजीविक निरीक्षण” शब्द रखे जाएंगे।

(ii) उपविनियम (4) का लोप किया जाएगा।

(iii) उपविनियम (5) में “उक्त दो का प्रधारामक कम से कम लेव जो उत्तर से अनु गई हो” शब्दों के पश्चात् “किसी आपातकात द्वारा आपात से उत्तर से उत्तर का सम्पूर्ण रूप से शाम रखते हुए” शब्द अनुस्यारी किए जाएंगे।

16. उक्त विनियमों के विनियम 103-क में—

(क) उपविनियम (1) में विवाय परंपरा के पश्चात निम्न विनियम अनुस्यारी किया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु यह और कि रजिस्टरों में की गई किसी प्रतिष्ठित या उसमें किसी प्रतिष्ठित के न किए जाने से तथा पूर्वोत्तम परन्तुक के अनुभाग से संबूद्धता दिए जाने या त दिए जाने से अधिनियम या विनियम, नियम उपविनियमों या उसके अधीन किए गए प्रावेशिकों के किसी विवर के कर्तव्य और वापराएं किसी प्रकार सीमित नहीं होंगी।”

(अ) उपविनियम (2) के स्थान पर निम्नांतरित उपविनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

(2) एक रजिस्टर में कोई प्रतिष्ठित न होता है :—

(क) एक रजिस्टर द्वारा, प्राविकारी और प्रबन्धक को यह जन-कारों होता समझा जाएगा कि उस प्रतिष्ठित में न भू अनुविष्ट है; और

(ब) उनको एक प्रति देसी प्राविष्ट के तीन दिन के भोजन खान के भूवान पट्ट परन्तु बन्द दिन में गम्भीर घटनाएं के लिए अवशिष्ट को जाएगी।”

(ग) उपविनियम (3) के रजिस्टर विनियम उपविनियम अनुस्यारी किया जाएगा, अर्थात् :—

(4) रजिस्टर—

(क) खान कामिनी में अंतिम विनियम दिये जाने के पश्चात् कम से कम तीन वर्ष से अवधि के लिए निरीक्षण के के लिए उत्तरांचल जन-कारों और

(ख) प्रावेशिक निरोधात दाय या उत्तरी नियम मजूरी के सिवाय पूर्वाग्रह यद्यवि के लिए निरीक्षण के पूर्व हटाया नहीं जाएगा।”

17. उक्त विनियमों के विनियम 103 में :—

(i) उपविनियम (1) के रजिस्टर (क) के रजिस्टर निम्ननियित अनुस्यारी किया जाएगा, अर्थात् :—

(ख) पारम्पर्य के 10 मीटर के बोनर रोडों दिल्ली संबंधी लूटाई और सड़क मार्ग का प्रतीक जैसा ही विकास पारम्पर्य के नुस्खे बाहर होती।

(ii) उपविनियम (2) और उपविनियम (3) के स्थान पर निम्ननियित उपविनियम रखे जाएंगे, अर्थात् :—

“(2) प्रत्येक ऐसी खात जिसमें यूर्मि के नीचे युदाई हो रही है का प्रबन्धक उपविनियम (1) में विनिर्दिष्ट किसी संक्षिया के प्रारम्भ से पूर्व और तब भी जब प्राविधिक विविक्षक द्वारा ग्राहित हो, उनके खौफिक यंत्रिक गुण स्थानीय भूवैज्ञानिक व्यापारों कार्य और यंत्रीकरण की प्रणाली और पूर्व अनुभव का मध्यक रूप से द्यावान रखने हुए विरक्तना करेगा और ऐसे व्यवस्थित प्राविधिक स्थान के संबंध में अलबर के प्रधार क और विनिर्देश तथा उनके बीच अंतराल विनिर्दिष्ट किया गया हो।

- (i) मड़क पथ पर, जिनके अन्वेषन में स्थान भी वहां स्थानीय का उपयोग कठाई संबहन या लदाई के लिए किया जाता है, आलंब :
- (ii) प्राव्य (छावादार) की गतेक पक्षि छत बोल्ट या ग्रन्य आलंब ।
- (iii) प्राव्य का पर्यावरणस्थ पक्षियम, छत बोल्ट या ग्रन्य आलंब ।
- (iv) प्रावंशों की विनियम पंक्ति और आमूद,
- (v) इक्षकानित में और विशुद्ध यासंब ; और
- (vi) पंक और आमूदः—

परन्तु यिस ऐसा खात की वास्तव जहां विकास भवियाएं पहले से जल रही है वहां उपविनियम (1) के खण्ड (खण्ड) और खण्ड (ग) में विनिर्दिष्ट युदाई के व्यनों के संबंध में व्यवस्थित आलंब नियम, इन उपविनियम के प्रत्यन होने को नारीश के 15 दिन अंतर विरक्तिं और प्रवृत्त किए जाएँ।

(3) प्रबन्धक, उपविनियम (1) में विनिर्दिष्ट किसी संक्षिया के प्रारम्भ में कम से कम 30 दिन पूर्व और उपविनियम (3) के परस्तुक के अधीन रहते हुए व्यवस्थित आलंब नियमों की एक प्रति प्राविधिक को प्रस्तुत करेगा, जो किसी भी समय लिखित आवेदा हारा नियमों में ऐसे उपायों की अपेक्षा कर सकेंगा और वह उनमें विनिर्दिष्ट करे।

(iii) यथापूर्वोत्तम विरक्तिं और अनुमोदित और 'ग्रन्य' शब्दों का जो उपविनियम (4) (में) आए हैं लोप किया जाएगा ।

(iv) उपविनियम (5) के पश्चात् निम्नलिखित उपविनियम ग्रन्यस्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

“(6) प्रबन्धक निम्नलिखित विनिर्दिष्ट करते हुए स्थायी शब्दों की कोई संहिता बनाएगा और कार्यान्वयन करेगा।

(क) उपयुक्त सामग्री पर्याप्त मजबूती और पर्याप्त मात्रा में आलंब के उपायन और प्रवाय के लिए प्रणाली और संगठन जहां वे मुकर रूप में उपयोग के लिए उपलब्ध हैं ।

(ख) हैर्डलग की पद्धति जिसके असंगत खालना और समंजन भी है, जहां आवश्यक हो, और सह से आमूद तक और आमूद रेखा से उनके नए स्थलों तक आलंबों का परिषहन ;

(ग) मनुरक्षण के लिए प्रणाली और संगठन और आलंबों की जांच छत और किनारों की देसी कस्ता, आलंबों का परिनिर्माण, परिक्षा (और पुनः कमता तथा विस्थापित प्रावंशों का जिम्मा) अवशेष समुचित भीजार भी हैं युन.परिनिर्माण गरना ।

(च) किसी नियमित आलंबकर्ता या द्वेषर के द्वितीय से अनुपम्यत रहने की वसा में उसके स्थान पर लगाने जाने के लिए सदम व्यक्तियों का पैनल ; और

(झ) उसी संबंधित व्यक्तियों अर्थात् लगाने कर्ता द्वेषर काष्टकार, विस्तोटकर्ता, संगवार, शोवरमैन और महायक प्रबन्धकों को जिनमें वशली के काष्टकार या ऐमर भी है व्यवस्थित अलंब नियमों से और उपविनियम में तथा विनियम 110 के प्रधीन स्थायी आदेश संकेता और कार्य भी प्रकृति से जिनका उस नियमित प्रत्येक व्यक्ति द्वारा निष्पादन किया जाए पूर्ण रूप से अवशत करने की रीति ।

18. उक्त विनियमों के विनियम 109 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात्—

“109. आलंब लगाना —(1) (क) प्रत्येक आदाधार मुरलिन रूप में और मुद्दह नींव पर लगाया जाएगा और छत से कमकर रखा जाएगा ।

(ख) जहां कोई आदाधार वास्तु या ग्रन्य प्रत्येक नामग्री पर लगाया गया है,

वहां 5 मेट्रीमीटर से अन्यून मोटाई 25 मेट्रीमीटर जोड़ाई और 0.75 मीटर लंबाई के किसी सपाद आधार वाले टुकड़े का उपयोग किया जाएगा ।

(ग) आदाधार पर उपयुक्त इक्षक की जोड़ाई आदाधार के प्रधीन्यास से अन्यून मोटाई 8 मेट्रीमीटर से अन्यून और लम्बाई 30 मेट्रीमीटर से अन्यून होगी ।

(2) किसी सांकेतिक पथ की छत को आलंब बने के लिए लगाई गई प्रत्येक छह सांकेतिक पथ के किनारों पर या सांकेतिक पथ के किनारों में कम से कम 50 मेट्रीमीटर गहरे बनाए गए छिंदों में मजबूती से जड़ी हुई आदाधार पर या कोम पर या उपयुक्त इंजाहन तथा पर्याप्त मजबूती इस्पात की भौमियों पर सुरक्षित रूप से लगाई जाएगी और छत से कमकर रखी जाएगी । जहां नैनिंग आवश्यक हो, वहां लेनिंग की सेवा, छह की प्रत्येक भोटर नींवाई के लिए एक से कम तक नहीं होगी और लैनिंग को छत में कमकर रखा जाएगा ।

(3) (क) आलंब के द्वा में प्रयुक्त प्रत्येक काग सुनियमित होगा और प्राकृतिक रूप से पर या सुरक्षित नींव पर लगा होगा, तथा छत से यथावैध तिकट रखते हुए कमकर बनाए रखा जाएगा ।

(ख) काग के भागों के रूप में केवल आपालाकार टुकड़ों का ही उपयोग किया जाएगा, तथा काल की वसा में यो आमने-सामने के किनारों को जोड़ना भी पर्याप्त होगा ।

(ग) काग के भाग 1.2 मीटर से अन्यून लगाई के नहीं होने

(घ) किसी डिपिलिरिंग लेवल में काम से परिनिर्माण करने में पूर्व प्रत्येक रूपी के किनारे पर आदाधार का परिनिर्माण किया जाएगा ।

(4) शुक्र द्वारा संस्तर में आलंब आदाधार और कम्प्स इक्ष प्रकार लगाया जाएगे कि संस्तर के लुकाव या मड़क पथ लेनिंग स्तर वाले कालांव रखने हुए अधिकाम आलंब गुनियिन किया जा सके ।

(5) छत में प्रत्येक कगार और प्रत्येक प्रमुख दरार या स्थलन, कम से कम काप्स के एक जोड़े या उपयुक्त रूप से पारवेटिस या पार पार छूटों में आलंबित रखी जाएँगी ।

(6) ऊपर लटके हुए पार्श्वों की नीचे की ओर बरेसी की जाएँगी । जहां वह गाया न हो, वहां छह छावाधार या आलंब के अन्य अपयुक्त साधन एक सीटर से प्रतिक्रिक के प्रतिराजी पर परिनिर्मित किए जाएँगे ।

(7) जहां आलंब के प्रयोजन के लिए बाह्य या अन्य सामग्री भरी हुई है या कोई ऐक वनाया गया है, वहां उसे ऐक किया जाएगा या छत से उसके संपूर्ण भेत्र में यथासाध्य रूप में कमा जाएगा ।

(8) (क) छत और पारवे सथा आलंबों का प्रायः यथावास्यक परिक्षण किया जाएगा और भिन्न नथ के जब आलंब के प्रयोजनों के लिए आवश्यक न हो, कोई आलंब जो किसी सक्षिया में दीला हो गया हो, टूट गया हो या हिल गया हो या हट गया हो से उसे कम में कम संभव विसंधि से और विशिष्टतया किसी व्यवधान के पश्चात् व्यक्तियों को गुजरते की अनुज्ञा देने या कार्य पर धारप साम्राज्य से पूर्व कमा, बदला या अपलेलित किया जाएगा । जहां तल कोयला या छत कोयला लिया गया है वहां सधूतर छावाधार के स्थान पर वीर्तिल छावाधार लगाए जाएँगे ।

(ख) ऐसे प्रत्येक स्थान में जिसमें से छत कोयला लिया गया है या छत या पारवे गिर गए हैं, त भी जिसे द्वारा कोयले को या उसके किसी भाग को साफ करने का कार्य किया जाएगा और न ही किसी व्यक्ति को गुजरते की अनुज्ञा दी जाएगी जब तक कि नई खुनी छत या समीप के पारवों की परीक्षा नहीं कर ली जाए है और यदि आवश्यक हो तो, अस्थायी आलंबों द्वारा उन्हें सुरक्षित नहीं कर दिया जाता है ।

(9) उपविनियम (8) में किसी वात के होते हुए भी, किसी सरदार या श्रीवरमैन के पर्यवेक्षण के अधीन न्यूनतम संख्या में उतने व्यक्ति तगाएँ जाएँगे जो वहां पर छत और पारवों की सुरक्षा के लिए आवश्यक हों ।

(10) जहां छत बोल्टों का आलंब के रूप में उपयोग किया जाता है, वहां उन्हें अपने स्थान में सुरक्षित रूप से लगाया जाएगा ।

(11) (क) विशुल आलंब, ड्रवचार्लिन छावाधार या रापर्क छड़े, कोयला के किसी जाल को पारवे से उतार लिए जाने के पश्चात् यथा माध्य प्रगति लिया जाएगा ताकि यह सुविशित किया जा सके जिन आलंब की नवीनतम सुनी छत को न्यूनतम रखा गया है ।

(ख) विशुल आलंब, ड्रवचार्लिन में और आवाधार तथा घंटा छावाधार सुरक्षित रूप से भगाए जाएँगे और समय-नमय पर उनकी जांच की जाएँगी । यदि किसी विशुल आलंब या ड्रवचार्लिन में किसी लूटि का पता चलता है तो उसकी यथापाक्य जीव देवधान की जाएँगी और तब तक के लिए उस स्थान पर छत में पारंपरिक आलंब प्रभावी ढंग से लगाए जाएँगे । किसी लूटिपूर्ण ड्रवचार्लिन या घंटा छावाधार को तुरंत बदला जाएगा ।

(ग) वहां छत की या पारवों में किसी अनियमितता के कारण या किसी अन्य कारण से कोई विशुल आलंब या ड्रवचार्लिन में भ्रष्ट प्रभाव-हीन हो जाता है, वहां पारंपरिक आलंबों का पर्याप्त मात्रा में उपयोग किया जाएगा ।

19. उपन विनियमों के विनियम 110 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“110 आलंबों को हटाया जाए—जैव की आलंबों को हटाया जाता हो तो वे उस पद्धति में हटाए जाएँगे जिस प्रवधकों के मायारी अरेशों में विनिश्चित लिया जाएगा । स्थायी आदेश के अंतर्गत निम्नलिखित होगा ॥—

(क) समूक्षित औजारों का प्रक्षय और उपयोग नथा गुरुज्ञा उपार-

(ख) ऐसी छत के जिसके आपत्र हटाए जा रहे हैं, उन्हें को नोकने के लिए प्रतिरिक्षण आलंबों का समाया जाना,

(ग) आलंबों को हटाने का तथा, उसके किमारे के छावाधार को हटाने से पूर्व किसी काँग को हटाना,

(घ) गंभीर में लगे व्यक्तियों और उसके प्राप्त-पाप उपस्थित अन्य सभी व्यक्तियों की सुरक्षित रियति,

(ङ) ऐसे सक्षम व्यक्तियों का प्रश्नक्षण जिन्हें संकियाएँ मौजा गई हैं, और

(च) आलंब हटाने के वारान व्यवेक्षण ।

20. उक्त विनियमों के विनियम 118-क में—

(i) उपविनियम (3) के परन्तु खण्ड (ग) में “रीफ्ट रैन्वे” प्रदर्शों के स्थान पर “रीफ्ट प्रैम और अनुपयुक्त खान” रखे जाएँगे ।

(ii) उपविनियम (4) के परन्तु फा लोग किया जाएगा ।

21. उक्त विनियमों के विनियम 119 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात् —

(1) जब किसी व्यक्ति को धूशों या किसी भ्रन्य चिह्न का पता लगे, जिससे स्थूल तपने का होता हो उपर्याहित होता हो, या आग लगने का पता लगते जो भूमि पर कोयला निष्कर्षण या किसी फायरन निवृत्त खान में या भूमिगत खान के किसी भाग में लग गई है, वह व्यक्ति तुरंत उसके आगे में अपने उच्चमर शक्तिकारी को सूक्ष्मा लेगा ।

(2) किसी निवृत्त खान में या कोयला निष्कर्षण द्वारा दूरी हुई भूमि पर या भूमिगत खान के किसी भाग में कोई ऐसा चिह्न जो यह उपर्याहित करे कि आग लग गई है या लग सकती है या स्थूल तपन हो गया है या हो सकता है, प्रकट होने पर—

(क) उन व्यक्तियों से भिन्न जिनकी उपस्थिति आग या तपन से निपटने के लिए आवश्यक समझी जाए सभी व्यक्तियों को तुरंत विवृत खान से या भूमिगत खान से या आवातल के ऐसे भाग से जहां उन्हें आग, भूमि या बाह्य निकली तान सामग्री, से खतरा हो सकता है, सुन्त स्टा लिए जाएँगे ।

(ख) आग या तपन सामग्री को व्युत्त आग शब्द के लिए या आग या तपन का नियंत्रण करने और मुहू बंद करने या ग्रसग करने उसके फैलने से रोकने के लिए व्यक्तिगत सुरक्षा पर्याप्त करने उत्तराए आगें ; और

(ग) भूमि के मीने आग लगने या तपन की दृश्य में, विनियम 199 के अधीन तैयार की गई योजना सुन्त सामग्री की जाएगी ।

(ii) उपविनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम रखें जाएँगे, अर्थात् :—

(2) उस समूर्ण अवधार के बोराम जब आग या तपन के संबंध में कार्रवाई करने या थोड़े करने का कार्य चल रहा हो तो—

(क) कोई सक्षम व्यक्ति स्थान पर हर समय उपस्थित रहेगा ।”

(ख) किसी हानिकर पश्चात्, स्वासदोधी या प्रज्वलनसील रैसों, जलाला भाप और गिराई गई या फैली गई नप्त सामग्री, जल रीम के विस्फोट और विरारका में गिरने जानी या जलाज गंतिका, जो आग लगने के जल में हो, से व्यवाया वा होने जाने जलाज को रोकने के लिए पर्याप्त पुर्वविधानियों बरती जाएँगी ।

(ग) भूमिगत सभी स्थानों पर या उसके लिए—

- पर्याप्त संख्या में व्यवस्थाकारक और कम से कम दो भूमि परिवर्तन या अन्य उपयुक्त साधिक आपानकाल में प्रयोग के लिए रखे जाएंगे ;
- उपर्युक्त परिवर्तनों से यूक्त पिंजरा या कावेन फोलोवराइट गैस का पता लगाने के लिए मुद्रा निरीक्षक द्वारा अनुमोदित अन्य माध्यम रखे जाएंगे ; और
- एक ली वाली मुद्रा लेप या कावेनडाइप्राक्साइड गैस का पता लगाने के लिए मुद्रा निरीक्षक द्वारा अनुमोदित अन्य माध्यम उपलब्ध रखे जाएंगे ।

(3) प्रत्येक खान का प्रबन्धक किसी तपत या आग के निवारण, पता लगाने, कारबाई करने और नियंत्रण के लिए, आग या तपत को नियंत्रित शा विलगात्र करने के लिए और उसम मक्कियां भी मुनिष्चित करने के लिए उपयुक्त अग्निशमन प्रबंधों की व्यवस्था करते और उनके मनुरक्षण के लिए एक विस्तृत स्वीम सीयार करेंगा और उनके मनुरक्षण के लिए एक विस्तृत स्वीम सीयार करेंगा और उनके मनुरक्षण के लिए एक विस्तृत स्वीम सीयार करेंगा । स्थिर परिवर्तनों के अनुसार उपर्युक्त तपत से उपायों की जाएंगी और प्रदूषन रखी जाएंगी ।

22. उक्त विनियमों के विविध 120 के स्थान पर निम्नान्वित विविध रखा जाएगा, अधीन—

"120. अग्निशमन उपस्कर और संगठन :

(1) प्रत्येक खान में—

(क) जब तक कि प्रादेशिक निरीक्षक द्वारा स्पष्टतया लिखित में छूट न हो वीर्ग हो, भूमिगत सभी कांचे स्थानों में और आग की जोखिम बाले अन्य सभी स्थानों पर उदाहरणस्थाया कोयला बंडार, कार्बनयुक्त सामग्री वाली फालतू मिट्टी के लिए, तात्परत करने वाली कोयला प्रभाव्य सह आदि भी है, जो प्रभावी अग्निशमन के प्रयोग के लिए परिधान के द्वारा पर अल की पर्याप्त मात्रा का प्रदाय करते के लिए परिधान के प्रभावी साधनों की व्यवस्था की जाएंगी और उन्हें बनाए रखा जाएगा ।

(ख) अग्निशमन उपस्करों के उपयुक्त प्रदाय के साथ अग्निशमन केन्द्रों की स्थापना की जाएंगी और अग्निशमन पर और भूमि के नीचे दोनों में मुख्यालयक स्थानों में अनुरक्षित बनाए रखे जाएंगे ; और

(ग) बायु या अदाना धूत या अन्तर्नीय अग्निशमनों की निष्पत्तिविधि में व्यवस्था की जाएंगी—

- खान के प्रत्येक प्रसंग स्थान और उपयोग में आने वाली प्रत्येक अवतरण और शेष तत्त्व पर ;
- ऐसे प्रत्येक स्थान पर जहाँ काट, औज, मेल या अन्य ज्वलन-शील सामग्री मौजित है ;
- प्रत्येक इंजन काट, विद्युत गिरण, सहक भारी वाहक चालन यूनिट और इंजन अनुरक्षण कार्यशाला और भारण केन्द्र, संचयन बैटरी आवेदन केन्द्र, और
- आग की जोखिम बाले ऐसे अन्य विशेष स्थानों पर जो प्रबन्धक द्वारा विनियोग किए जाएं ।

(घ) जन प्रणाली, टोटिया, अग्निशमन केन्द्र, पंपकेल्ड्र, संयातन प्रणाली, बचाव भागी आदि को वर्णित करते हुए अग्निशमन आरेख बनाए रखे जाएंगे और उसकी एक प्रति खान कार्यालय और भूमि के नीचे खान में सुगम स्थानों में लगाई जाएंगी । पर्याप्त संख्या में व्यक्तियों की अग्निशमनों के उपयोग और अग्निशमन सेवा में भी प्रयोग किया जाएगा । ऐसे नई व्यवस्थाएं जो उन सभी आगेनशमन उपस्करों से विभिन्न हैं जो शाये में खान करता जाएगा जिनकी ज्ञान में व्यवस्था की गई है ।

(2) (क) मोरार्सिल प्रकार के अग्निशमक या जानी का प्रयोग नेल की या वैयुत अग्नि को बुझाने के लिए नहीं किया जाएगा ।

(ख) फोन किस्म के अग्निशमकों का प्रयोग बैद्युत अग्नि जूझाने के लिए नहीं किया जाएगा ।

(ग) रसायनों से युक्त अग्निशमकों की, जो प्रचालित किए जाने पर विद्युती या आपायकर गैसों को छोड़ सकते हैं, व्यवस्था या उनका प्रयोग भूमि के नीचे महीं किया जाएगा ।

परन्तु इस खंड की किसी बात में यह नहीं समझा जाएगा कि वह ऐसे अग्निशमकों का भूमि के नीचे प्रयोग प्रतिवर्ष करती है जो जलाप जाने पर कावेनडाइप्राक्साइड छोड़ते हैं ।

(3) (क) कोई सदाचम अवलित प्रत्येक मान में कम से कम एक बार ऐसे उपकर, सामग्री या प्रबंधों की परीक्षा करेगा जिनको अग्निशमन के लिए व्यवस्था की गई है और यह मुनिष्चित करने के लिए कि वे उचित काम चलाऊ हालत में रहें वह अग्निशमकों को जिनको बार आपायक हो उतनी बार निस्तारित करेगा और पुनः भवाएंगा ।

(ब) किसी ऐसी परीक्षा के दौरान या प्रयोग कोई कमी नहीं जाएगी है जो उसे सुरक्षा द्वारा किया जाएगा ।

(ग) ऐसी प्रत्येक परीक्षा, जिसमें निस्तारण और पुनः भवण भी मम्मिलित है, की रिपोर्ट इस प्रयोग के लिए रखी गई, जिसके पृष्ठ संख्यांकित पुस्तक में रखी जाएगी और परीक्षा करने वाले व्यक्ति द्वारा उस पर हस्ताक्षर करके तारीख लाली जाएगी ।

23. विविध 122 के उपविविध (4) के खंड (क) में, "भूमि के नीचे तपत" शब्दों के परचात् "या गोक या पुरानी जनितों के किसी भेत्र का मुंह बंद करने" शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे ।

24. विविध 123 के स्थान पर विस्तरित विविध रखा जाएगा, अधीन—

"123. धूत से बचने के लिए प्रत्यक्षवानियाँ : (1) प्रत्येक खान का स्थानी, अभिकर्ता या प्रबन्धक गैसों के उत्तराधारी जो वून के उत्तराधार को कम करने के लिए और ऐसी धूत के दबाव के लिए जो भूमि के नीचे या धूतल कार्यस्थल से बायु में प्रवेश करती है, आवश्यक है और यह मुनिष्चित करने के लिए कि धूतक योग्य धूत के प्रति कमेकारों का अनावृत रहता उस हृत तक सीमित हो जाके जो युक्तप्रकृत रूप से साध्य है, किन्तु किसी भी दशा में यह उन सीमा से अधिक न हो जाके जो व्यक्तियों के स्थान्य के लिए हानिप्रद हो ।

(2) इस विविध के प्रयोग के लिए किसी व्यक्ति के कार्य करने या गुरुर्वते या यहाँ होने के लिए कोई स्थान प्राविनिकर हालत वाला नहीं समझा जाएगा, यदि आठ घंटे का भवय जो बायु गृहित प्रबन्धार्थीय धूत का बजायीकृत औसत संकेन्द्र है, सुधूप निरीक्षक द्वारा माधारण या जिसी आदेश द्वारा विनियोग करियाकों के अनुसार अनुमोदित और अनधारित किस्म के गुरुवर्षार्थी धूत प्रतिक्षयक द्वारा सेवा किए गए बायु के प्रति क्षूपिक मीटर मिली प्राप्त में बड़ी तीव्र से गृह तीव्र है ताकि जून निर्बाधी स्वसंसाधन विवरान सिलिका 5 प्रतिशत से कम है और अन्य दण्डाओं में विवरान निर्बाधी एवमनीय सिलिका की प्रतिशतता के साथ 18 अंक को विभाजित करके प्राप्त मृद्य ।

(3) (क) प्रत्येक खान का स्थानी, अभिकर्ता या प्रबन्धक इस विविध के प्रबन्ध होने के लिए भीतर और उसके प्रबन्धक से सेवा करने वाली जाएगी और व्यक्ति गैरिग्राम प्राविनिक निरीक्षक ऐसी व्यक्ति करें, प्रत्येक ऐसे कार्य स्थान पर, जहाँ

वायुवाहित धूल विकल्पित होती है, यहां की वायु का दैवत हमारे और उपर्युक्त व्यवस्था द्वारा के संकेन्द्रण अवधारित करते हैं।

परन्तु यदि किसी कार्यस्थान पर किसी माप के मुकेत्य उपर्युक्तियम् (2) में विनिर्दिष्ट अनुज्ञात संकेन्द्रण (जिसे हमें धूल के प्रत्यावर्त्ती 'अनुज्ञात सीमा' कहा गया है) प्रवाप प्रतिशत या प्रत्यक्षतर प्रतिशत से अधिक प्रतीत होता है तो प्रश्वान्वर्ती माप ऐसे व्यवस्थाल पर किए जाएंगे जो कमतः तीन मास या एक मास से अधिक का न होः

परन्तु यह और कि ऐसे माप भी, किसी संयंक उपस्करण या मणीनीरी के बालू किए जाने पर या किसी नवीन कार्य अभ्यास के प्रारम्भ किए जाने पर या उसमें ऐसे परिवर्तन किए जाने पर जिससे वायुवाही व्यवस्थानीय धूल के स्तरों में पर्याप्त परिवर्तन होने की सम्भावना हो, तुरन्त किए जाने चाहिए।

(ख) लिए गए नमूने यावत्साध्य कर्मचारियों के धूल प्रभावन स्तरों के द्वातक होते हैं। इस प्रयोजनार्थ सैम्प्रल को, धूल जनत विन्तु की विधिय दशा में तथा प्रजात्वक या अन्य कर्मकार, जिनका प्रभावन उसके कर्मकारी समूह में अधिकतम समझा जाए, की सामान्य काम करने की विधि के 1 मीटर के भीतर किन्तु उसके पीछे नहीं लगाया जाएगा।

(ग) नियत स्थान पर नमूना लेने के परिणामों पर आधारित कर्मकारों के विभिन्न प्रवर्गों के लिए द्वातक धूल प्रभावन लूपरेस्या प्राकलित की जाएगी और प्रति जांच के साधन के रूप में स्थिर मानिटरिंग को ऐसे कूले हुए कर्मकारों की प्रवेशद्वार से प्रवेशद्वार तक वैयक्तिक मानिटरिंग द्वारा संभवतः अनुकूलित किया जाएगा जिनका प्रभावन उनके कर्मकारी समूहों का द्वातक समझा जाएगा।

(घ) सैम्प्रल ऐसे व्यक्ति द्वारा जिसे विशेष रूप में इस प्रयोजन के लिए प्रशिक्षित किया गया है, ऐसे सैम्प्रल लेने वाले उपस्कर्ते और उपसाधार्णों के साथ यित्या जाएगा जिनकी शुद्ध अनुरक्षण और कुशल संचालन सुनिश्चित करने के लिए जांच पहलाल कर ली गई हो और जिनकी परीक्षा, परीक्षण तथा प्रशांकन ऐसी तारीख को किया गया हो जो एक वर्ष से पहले की न हो।

(ङ) नमूनों में विद्यमान अन्तःव्यवस्थाय धूलांश और पूर्णतया किसी कोयला संस्तर में की जा रही खुदाई के भिन्न किसी खुदाई से संबंधित नमूनों की दशा में स्फटिक अंग यथामाल्य शीघ्रता से नमूचित रूप में सुमोर्जित एक ऐसी प्रयोगशाला में किया जायगा जो मृद्यु तिरीक्त द्वारा इम निमित्त स्थिति रूप में अनुमोदित की गई हो।

(च) वायुवाही व्यवस्थाय धूल के साथों के सभी परिणाम और सभी अन्य सुसंगत विशिष्टियाँ सैम्प्रलों के संग्रह से वौद्ध दित के भीतर इस प्रयोजन के लिए रखे गए पृष्ठ संक्षिकित जिल्डवद्ध वही में व्यवस्थित रूप में अभिलिखित की जाएंगी और वौद्ध संघटक के भीतर पूर्वोक्त वही की प्रदेशक प्रविदिष्ट प्रवर्णक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित की जाएंगी और तारीख दाली जाएगी।

(४) जब धूल को सामीक्षर करने के परिणामों से यह साधित हो जाता है कि किसी स्थान पर धूल संकेन्द्रण को अनुसूची सीमा बढ़ गई है तब धूल के उत्पर्जन को कम करने के लिए तुरन्त कदम उठाए जाएंगे और प्रादेशिक तिरीक्त को अधिकृति किया जाएगा। विन्तु यदि अस्त व्यवस्थाय धूल का औसत संकेन्द्रण प्रश्वान्वर्ती माप के बीचारे 7 कर्मवर्ती सामान्य कार्य परिवर्त्यों में लिए गए और अमध्यवद्ध नमूनों के अनुशेष सीमाओं में ऐड गुना अधिक हो जाता है तो सुसंगत संकिया या संकियाएँ जिसमें अधिक धूल उत्पन्न होती है, बन्द कर दी जाएंगी। संकिया या संकियाएँ तब तक पुनः आरम्भ करने वाला दूसरे नहीं दी जाएगी जब तक कि धूल के निवारण और विरोध के लिए सुधार न कर लिए गए हों और उस संकिया या संकियाओं के पुनः आरम्भ किए जाने पर तुरन्त लिए गए नमूनों से यह साधित नहीं हो जाता कि ऐसे सुधारों का धूल संकेन्द्रण 'अनुज्ञाय सीमा' से कम हो गया हो :

परन्तु यदि किसी मणीनीरी या उपस्करण वर्गी धूल निवारण और निरोध युक्त दशातापूर्वक कार्य यात्रे में असफल रहती है तो उस शणीनीरी या उपस्करण का संचालन उसी प्रकार बद्ध कर दिया जायगा और वह तक पुनः आरम्भ नहीं किया जायगा तब कि उसी खाद्य उप वृद्धि की दीक नहीं कर दिया जाना है।

परन्तु यह और कि किसी ऐसी राय मिहित में, जहां शुद्ध रूप में संरक्षण के आकास्मिक उपाय या प्रतुरुक्त उपाय के द्वा में, तकनीकी दीकि से व्यवस्थीय धूल संरक्षण को अनुज्ञात सीमा से नीचे रखना संभव नहीं है या किसी यक्ति यो प्रतिशयापित और चालू करने वाला तिवारण या व्यवस्था में नियत किए व्यवहार का संचालन करने के लिए प्रावश्यक धूलवित के शीर्ष, प्रनुप्रेर धूल प्रत्यवर्त्तन सीमा को अनुज्ञात सुदूर संकिया द्वारा या कार्य आवश्यक वार्ष व्रात किया जा सकेगा और ऐसा करने में असफल रहने पर ममुचित द्वा एकमित्र के प्रयोग द्वारा प्राप्त किया जा सकेगा।

(५) प्रत्येक ऐसा व्यावरण का स्वामी अनिहर्ता या प्रवर्णक, जहां धूल अभिक्षिकों का व्यावरणका शो सकती है, संविधित कर्मकार व्यक्ति की सामग्री के विना उसके प्रयोग के लिए पर्याप्त संख्या में धूत अभिक्षिकों की धूत प्रश्मिक की विवित संकाई, प्रिमकामा और दक्षतापूर्ण कार्यकरण की हालत में अनुरक्षण करने की और अभिक्षिकों की सम्भित किए गए ती और मंडड कर्मकारों की इनकी आवश्यकता और प्रयोग करने को पूर्ण रूप से प्रशिक्षण की व्यवस्था करेगा।

(६) धूत ऐसने और एकत्रित होते और वायुवाही धूल के प्रमाण को नियारित करने के लिए निम्नलिखित उपवस्था प्रसादी होंगे अवश्यः—

(क) धूत का व्यवस्था उपके बनने के बीच से जहां तर वाली है, यथासंस्कृत समीप किया जाएगा।

(ख) धूत पर या धूत में नीचे पह्यर बनने वाला करने के दीगत —

(i) ऐसे टूकड़ों जो लीअन हों, और ममुचित आकार के हों, का प्रयोग करके, टूकड़ों पर उपयुक्त व्यावरण डालकर और यद्यों को करननों से लाक करके धूत के उत्पादन को कर किया जाएगा।

(ii) प्राकृतिक रूप से भोगी भूमि के मिवाय, करननों की गीता करने के लिए पानी का जेट काटने वाले कितारे की ओर किया जाएगा या मृद्यु तिरीक्त द्वारा अनुपोदित उपनी ही पत्र युक्ति की व्यवस्था की जाएगी और व्यावरण में धूल भरने से निवारण के लिए उपके प्रचालन में रखा जाएगा। अहां वायु भवालित ड्रिलिंग की जाए वहां संपीड़ित वायु का ड्रिल के लिए उपयोग करने से पूर्वी पानी लोक दिया जाएगा। किन्तु जहां ड्रिलिंग हाथ से की जाए वहां ऐसी ड्रिलिंग के दीरान सुरक्षाओं को नियन्त्रण आइं रखना पर्याप्त होगा।

(ग) सूमितल पर या मन्दू के नीचे प्रत्येक सड़क, जहां व्यवस्था मणीनीरी कार्यरत हो नियमित रूप से गीली रखी जाएगी या किसी अन्य उसी प्रकार की कार्यर युक्त द्वारा व्यावरण में फैलने वाली धूत को करने की लिए प्रसादी रखे गए हों और अभिलिखित किया जाएगा जिसमें कि व्यावरण में धूल न उठ पाए।

(घ) व्यनिजों या अधिकारों को छानने वाले छानने के लिए कोई संयंक और यथाशक्ति सिडर, सीमेट, रेत, मोरटार या अन्य शुल्क और वारीक मामग्री को कोई ढेर किसी डाउन कास्टशेप्ट या अंतेग्नीत वायुमार्ग के ऊपर 80 मीटर के भीतर नहीं रखा जाएगा, या ऐसी किसी सामग्री को इस प्रकार प्रयोग में नहीं लाया जाएगा जिसमें कि यह वायुवाही हो जाए और ऐसे शैक्षण या वायुमार्ग में छिपकर न रखा जाए।

(ळ) भूमि के नीते की प्रसूत यात्रा में—

(i) नीते किसी मणीनीय या उपस्कर को, जिसमें यूनियन ग्रीमा में व्यापक धूत निकलने की मंत्रालयना है, तब तक नहीं मनाया जाएगा तब तक वह भमुचित धूत निकालक थीं इनमें वी यक्षित से सुमित्रित न हो और तब तक कि ऐसी सुविधा कार्यर रूप में कार्य न कर रही हो।

(ii) प्रत्येक यांत्रिक कोयला कर्तक पर यिकों को दिजायन व्यवस्था, मामग्री और हालत ऐसी होनी जिसमें कि धूत का बनाया कम में कम हो जाए और कोई यांत्रिक कोयला कर्तक तब तक प्रकालित नहीं किया जाएगा जब तक भमुचित जल के छिकाव या जल के टैट का उसके कटिंग किनारों पर रख न किया जाए, जिसमें कि कटिंग को नम किया जा सके जैसे ही थे बने।

(iii) प्रत्येक कार्यर रूप और उसके साठ मीटर के भीतर प्रत्येक संडक या व्यायामग के तल, इत और किनारे जब तक पूरी तरह न्यायिक रूप में गीते न हों, धूत एक्सिल होने से दौड़ने के लिए नियमित रूप में धूताई की जाएगी और उन्हें ग्राम की परियों के दौड़ने पूर्णतः गीला रखा जाएगा।

(iv) किसी मणीनीय या मणिया में निकलने वाली धूत की माफ करने के लिए पर्यावरण वायु प्रशाह और धूत संकेन्द्रण को "यूनियन मीडी" में नीते लद्दने के लिए माध्याग्रन मंवातन हारा और नवि यांत्रिक हो भानीय संवादन हारा अनां रक्षा जाएगा जिसमें कि यांत्रिक यांत्रिक भानीय संवादन हारा अनां रक्षा जाएगा।

(v) विमोटन के पास्तान कार्यस्थान में तब तक प्रवेश नहीं किया जाएगा जब तक वायु प्रवाह धूत धूत और गम्य व्युं के नाक हो जाने के लिए पर्यावरण ममय न दीत गया हो तथा ब्यंडित मामी को तब तक नहीं हटाया जाएगा, जब तक इस जल धारा पूरी तरह से गीता स कर दिया गया हो।

(vi) कोयले के परिवहन के लिए प्रयुक्त पानों, टकों और व्यंत्ययों को अच्छी हालत में रखा जाएगा जिसमें कि प्रधिल बन या रिसन फ्ल हो माने जाने, साविक कल्पनायों, कल्पनायों, रिसनकों कल्पनायों निर्वाह की वार्ता नहीं हो जाने के लिए पर्यावरण ममय न दीत गया हो तथा ब्यंडित मामी को तब तक नहीं हटाया जाएगा। ऐसी सामग्रियों को यरि वे पूरी गीली नहीं हो या धूत व्यापों के ऐसी अन्य किसी युक्ति का प्रयोग नहीं किया जाए पूरी वर्ग गीला भी किया जाएगा।

(vii) जब तक कि विजेष कटिनाईयों के कारण, प्रावेशिक निरीक्षक द्वारा इस नियम लिखित रूप से छूट लड़ी दी जाती है और ऐसी ग्रामों के अधीन ग्राम ग्राम जिसे यह उसमें विनिर्दिष्ट करे, पाप्तों में जल को पर्यावरण परिमाप में और पर्यावरण दवाद के अधीन और अलग से किसी पर्यावरण प्रणाली का भी उपबंध नियम न दिया जाए और उसी हालत में बनाए रखा जाएगा जिसमें कि धूत यों अधिक से अधिक कारगर रूप से ग्रान्त किया जा सके।

(न) कोयले या पर्यावरण के वीमन, लोडने, विघटन करने, तराशने, लाउने, ग्राइंडिंग करने, धानने या सीविंग करने की किसी प्रतिया को या उसमें व्यापक ग्रामियक किसी सकिया को किसी खानमें तब तक नहीं किया जाएगा जब तक इकानापूर्वक पानी बेते या अन्य समुचित और प्रभावी धूत नियंत्रण उपाय जैसे कि, जो अलग करने वाला लगाने, मंवातन और धूत संप्रहण तक सीमित नहीं है, परिवित, उच्चावधि, अनुरक्षित और प्रयोग नहीं किए जाने हैं।

(ळ) भूमि के नीते मिलायित वायु की, जिसमें "यूनियन ग्रीमा" के अधिक धूत हो, कारगर रूप से ननकल किया जाएगा और यदि आवश्यक

हो तो कायेस्थानों में लोग पुनः परिवायित करने में पूर्व या वातावरण में छोड़ने से पूर्व, इस प्रकार किस्टरिट किया जाएगा जिसमें कि उसमें वी व्यापक धूत के मिलायित को "यूनियन ग्रीमा" में दो मिलायित में गीते होंगे जो मर्के।

(ज) किसी मणीनीय उपस्कर या प्रक्रिया द्वारा उत्पादित धूत के निकारण और द्वाने के लिए तथा निकायित वायु को फिल्टर करने के लिए भी प्रथम प्रत्येक धूक्ति का और प्रत्येक धूत स्वस्त्रित का सात विन में कम से कम एक बार निरीक्षण किया जाएगा और प्रत्येक द्वारा साम की प्रवधि में कम से कम एक बार पूरी परीक्षा और जांच की जाएगी और प्रत्येक ऐसी निरीक्षण, पर, वा और जांच के परिणामों का रिपोर्ट को, उपविनियम (3) के खण्ड (d) के अधीन रखे गए रजिस्टर में अभिनियित किया जाएगा।

(८) प्रत्येक ऐसी खान का प्रबन्धक जहाँ वायुवाही धूत उत्पादित होती है, एक स्क्रीन बनाया और उसे कार्यान्वित करेगा जिसमें निम्नलिखित विनिर्दिष्ट होगा—

(क) नमूने लेने का शब्दस्थान, आवासन, समय, अवधि और पक्षमि।

(ख) नमूने लेने के लिए प्रयोग किए जाने वाले उपकरण और उपमाध्यन।

(ग) प्रयोगशाला, जहाँ नमूनों की व्यापक धूत की अन्तर्भृत और स्टेटिक अन्तर्भृत अवधारित भी जाएगी।

(घ) रूप विधान जिसमें धूत-संकेन्द्रण के मार्गों के परिणाम और अन्य विविदित्यां अविलिखित की जाएगी।

(ङ) धूत मानिटर करने और धूत निकारण तथा उसे बनाने मेंवी उपायों और धूत अन्यतारों का परीक्षा और प्रनुकाण के लिए संयंत्र; और

(ज) धूत नियंत्रण उपायों के कार्यनियन में संबद्ध मभी व्यक्तियों को इस नियम प्रत्येक द्वारा किए जाने वाले कार्य की प्रकृति में पूर्णतः सुपरिचित करने वी रीति।

(१०) प्रारंभिक निरीक्षक, जहाँ विशेष परिवित्रियां विद्यमान हो, एक लिखित आदेश द्वारा और ऐसी ग्रामों के प्रधीन रहने हुए जो वह उसमें विनिर्दिष्ट करे, पूर्वामी उपबंधों में या प्रबन्धक की स्वीम में, किसी परिवर्तन की अनुज्ञा दें सकेगा या अवैधा कर सकेगा।

(११) (१) इस विनियम में निर्दिष्ट किसी खात के संबंध में किसी शंका के उल्लंघन होने पर वह मध्य निरीक्षक को विनियम के लिए निर्दिष्ट की जाएगी।

25. उक्त विनियमों के विनियम 123-के उपविनियम (1) के प्रकार निम्नलिखित उपविनियम अन्तर्भागित किया जाएगा, अवधि :-

(११) (क) खान के ऐसे प्रत्येक भाग को जो प्राकृतिक स्वप से पूर्णतः गीला नहीं हो या जो विस्फोट गोष्ठी रोके से अलग नहीं किया गया हो—

(१) आरीक अल्लानशील धूत से, ऐसी रीति में और ऐसे मलतरातों पर अभिनियित किया जाएगा जिसमें सुनिजित रहे हों कि फर्श, उन और किनारों पर धूत और किसी आलव या संरचना में कोयले के सम्बन्धी वाया में, जिनमें वायपाली पवार्थ (धूपक और गाव गहित आवार पर) ३० प्रतिशत से कम है, अज्वलनशील पदार्थ का मिश्रण होता है २५% से कम नहीं होता और ऐसे कोयले के सम्बन्धी की वाया में, जिसमें ऐसे वायपाली पदार्थ के ३० प्रतिशत से अधिक है, अज्वलनशील पदार्थ ४५ प्रतिशत से कम नहीं होता, या

(ii) पानी से ऐसी गति में और अन्तरालों पर अधिकारित किया जाएगा जिसमें सुनिश्चित हो कि फर्म, उन और किनारों पर भूमि और किसी आंतर या संरचना पर तकनी प्रणाली में जल भार के आधार पर 30 प्रतिशत में संयोजन में कम नहीं होगा ; या

(iii) ऐसी गति में अधिकारित किया जाएगा जो प्रावेशिक निर्गतिक निश्चित रूप में आदेश द्वारा अनुमोदित करे।

(ख) इस उपविनियम के प्रयोजन के लिए प्रयोग की गई अन्यतर शूल शूल —

(i) ऐसी होगी कि उसमें मूल गिनिका 5 प्रतिशत से अधिक न हो ;

(ii) इनी आंतर और ऐसे स्वरूप की होगी कि वह धूम में आमतौर से बिवरन योग्य हो और यह कि जब उन व्यापारों में प्रयोग की जाए, जो पृथक में जल द्वारा प्रस्तुत हैं तो नहीं किया गया है, वह पिछले वर्ष, किन्तु जब मूल या किसी मूलित गांधित द्वारा उत्तराधीन या वायर में विवरण जाती है ; और

(iii) वायासाथ रंग में हल्के रंग की होगी।

(ग) ऐसी कोई भी अन्यतर अन्य धूम प्रयोग नहीं की जानी चाहिए यदि वह परीक्षणों में, जो प्रत्येक तीन मास में कम से कम एक बार किया जाए, पूर्वामी अपेक्षाओं के अन्तर्गत नहीं पाई जानी है :

परन्तु जब किसी खान में प्रयोग की जाने वाली अन्यतर अन्य धूम का प्रदाय किसी नियमित स्रोत से नहीं है, तो जब भी अन्यतर अन्य धूम का नया प्रदाय प्राप्त होता है तो परीक्षण किए जाएंगे ।

(घ) यदि कोई स्थान या खान का भाग अन्यतर अन्य धूम से अधिकतम किया जाना है, तो —

(i) अन्यतर अन्य धूल से अधिकतम करने से पूर्व, सभी कोयले की धूल यथावत रूप, किनारों, कर्ण, आकाशादार, काग, फैड, विभाजक सफड़ा या कोई अन्य वस्तु या संरचना या स्थान से, जिस पर कोयले की धूल जमा हो जाए, भाफ की जाएगी और इस प्रकार एकत्रित होने वाली सभी धूत 24 घण्टे के भोतर यत्न पर हटाई जाएगी ।

(ii) अन्यतर अन्य धूल पर्याप्त भावा में और ऐसे अन्यतरों पर जो, उपविनियम (1)(व) के उपतंगों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हों, वस्तुओं, संरचनाओं और स्थानों पर फैलाई जाएगी ।

(iii) धूल के बहने की दिग्गज में कोयले की धूल की सफाई की जाएगी और अन्यतर अन्य धूल फैलाई जाएगी ।

(iv) अन्यतर अन्य धूल का पर्याप्त प्रदाय, खान के उपयुक्त स्थानों पर सुगमता से उपलब्ध होगा और भूमि के नीचे धूत के प्रदाय में कोई भी कमी तुरन्त प्रवरक के द्वारा में कमाई जाएगी ; और

(v) भिन्न-भिन्न स्थानों में जटा लगाई गई और वान में कड़ाओं पर या धूल रोशों में रखी गई अन्यतर अन्य धूल, जब कभी वह सुगमता से बिखरने योग्य नहीं है या उस पर कोयले की धूल की परत आ जाती है, वह दो जाएगी ।

26. उक्त विनियमों के विनियम 123-व्य में—

(i) उपविनियम (1) में, "विनियम 123" शब्द और अंकों के स्थान पर "विनियम 123 प्रीर 123-क" हैं शब्द, अंक प्रीर और क्रमानुसार रखे जाएंगे,

(ii) उपविनियम (1) में—

(अ) खण्ड (व) में, "24 घण्टे" अंकों और शब्द के स्थान पर "20 घण्टे" अंक और शब्द रखे जाएंगे :

(आ) खण्ड (ग) में, "विनियम 123(5)(अ)" शब्द, अंकों, कोण्डकों और अक्षर जहाँ कहीं वे आते हैं, वे स्थान पर "विनियम 123क (1क)(क)" शब्द, अंक, अक्षर और कोण्डक रखे जाएंगे ।

(iii) उपविनियम (5) में, "विनियम 123(5)(ख)" शब्द, अंकों, कोण्डकों और अक्षर के स्थान पर "विनियम 123क, (1 क) (क)" शब्द, अंक, अक्षर और कोण्डक रखे जाएंगे ।

27. उक्त विनियमों के विनियम 127 में—

(i) उपविनियम (1), (2) और (3) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम रखे जाएंगे, अवश्य ।

"(1) प्रत्येक खान में उसी खान का पार्श्वस्थ खान की खुदाईयों से जब वे गीली हो जाएं ताकि या अन्य द्रव पदार्थ या अन्य सामग्री के फृट निकलने को रोकने के लिए, जिसके बहने की संभावना है, और जांच के लिए बोर छिप प्रवेशित करने समय या पानी या अन्य द्रव पदार्थ निकलने के समय होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए उचित व्यवस्था की जाएगी ।

(2) जहाँ निम्नलिखित में कार्य किया जा रहा है ।

(क) (i) किसी अन्य सीम या तैकान के नीचे कोई सीम या तैकान ; या

(ii) किसी सीम या तैकान के नीचे के ऐसे स्थान में जो किसी निम्न-सीम या तैकान के किसी स्थान से निम्नतर तर पर है ; या

(iii) किसी सीम के, जो वराह के समीप है जो किसी ऐसे उपरिसीम, या तैकान में होकर गुजरती है जो पानी या अन्य द्रव पदार्थ के संचय से धूत है या हो सकता है, या किसी ऐसे अन्य द्रव पदार्थ में धूत है जिसके गीला होने की दिग्गज में बहने की संभावना है, किसी स्थान में ।

(ख) किसी जल वाले स्तर में, सभी उपयोगी सूचनाएं जिनके अन्तर्गत उपायित लक्षणों की स्थिति, विस्तार और गहराई भी हैं अर्जित की जाएगी और उसका अधिनेत्र रखा जाएगा तथा पानी या अन्य द्रव पदार्थ या अन्य सामग्री के फृट निकलने को रोकने के लिए, जो गीला होने, वी वश में बहती हो, कार्यकार्य की एक स्कीम बनाई जाएगी और उसे कार्यान्वित किया जाएगा ।

(ग) उपविनियम (1) और उपविनियम (2) की अपेक्षाओं पर प्रतिकूल प्रभाव द्वारा बिना, जब कोई खुदाई किसी अन्य खुदाई के (जो ऐसी खुदाई नहीं है जिसकी पर्वती की जा चुकी है और जो पानी या अन्य द्रव पदार्थ या अन्य सामग्री के संचय से सुकून पाई गई है, जिसका गीला होने पर जलावन संभाव्य है) 60 बीटर के अंदर पहुँच जाए, चाहे वे उसी खान में हो या किसी पार्श्वस्थ खान में हों, तब तक उसका और आपे विस्तार प्रावेशिक निरीक्षक को लिखित पूर्ण अनुका और उत गती के अधीन हो, जो वह उसमें विनिर्दिष्ट करे, किया जाएगा अन्यथा नहीं ।

स्पष्टोकारण : इस उपविनियम के प्रयोजन के लिए उक्त खुदाईयों के बीच की ही से अभिनेत्र होती, यास्तिति एक ही सीम की खनितों या किसी दो सीमों या तैकानों की न्यूनतम दूरी, चाहे वह किसी भी दशा में नापी जाए, अर्थात् आपे लैनिज कप में नापी जाए, या उधारित या अन्य कप में ।

(ii) उपविनियम (6) के अंडे (क) में “मधी ऐसे बोर छिलोगे” शब्दों के पश्चात् “एक दूसरे के पर्याप्त रूप से समीप यह मुनिपिलियल करने के लिए प्रवेशित किए जाएंगे कि उनके अप्राप्त में छिद्र न हों मरे जिससे कि युवंटना के समय आनी या द्रव पदार्थ या कोई अन्य मामली उन खुदाहयों में से जब तक गीली हों और उनका फट निकलना संभाल तो अत्यक्त न आ सकें” अब अंतः स्थापित किए जाएंगे।

28. उक्त विनियमों के विनियम 136-क के नीचे की मार्गी में, स्तम्भ 1 में “प्रथम डिपो” शब्दों के स्थान पर “प्रथम, द्वितीय या मूनीय डिपो” अब और “हिन्तीय डिपो” शब्दों के स्थान पर “प्रथम या द्वितीय डिपो” अब रखे जाएंगे :

29. उक्त विनियमों के विनियम 146 में,—

(i) उपविनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(i) कोई भी खान या बैंकी, लिफ्टनप सप्लाय संयोजन में 4,5 में सीटर में अधिक ही तक विस्तारित नहीं की जाएंगी जब तक कि आयु प्रबाह अग्नि प्रविशोद्धी पालपो. ड्यूबों, विसाजाओं या अन्य मामली के साम्यम से मध्य के 4,5 सीटर के भीतर किसी स्थल तक नहीं पहुँचना है।”

(ii) उपविनियम (7) और (8) का बोग किया जाएगा।

30. उक्त विनियमों के विनियम 149 का नं. 1 रखा जाएगा।

31. उक्त विनियमों के विनियम 194 के उपविनियम (1) में, “119 (2)” अंकों और कोण्डों के स्थान पर “118-क (3) (4), 119 (2) (क) और 120 (3) (क)” अंक, अक्षर और कोण्डा रखे जाएंगे।

32. उक्त विनियमों के विनियम 204 में,—

(i) पार्श्व शीर्षक के स्थान पर निम्नलिखित पार्श्व शीर्षक रखा जाएगा, अर्थात् “समिति को शीर्षक।”

(ii) उपविनियम (1) में —

(क) “मुख्य निरीक्षक के नीचे विनिर्दिष्ट किसी आदेश के विरुद्ध” शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित पार्श्व रखे जाएंगे अर्थात् :—

“इन विनियमों के अधीन मूल निरीक्षक द्वारा किए गए किसी मूल अदेश के विरुद्ध या मूल निरीक्षक द्वारा किए गए किसी मूल अदेश के विरुद्ध या मूल निरीक्षक द्वारा प्रादेशिक निरीक्षक के आदेश के किसी अधीन पर विनियम 203 के अधीन पारित किसी आदेश के विरुद्ध” :

(अ) अंडे (i) और (ii) का लोप कहा जाएगा।

33. उक्त विनियमों के दूसरी अनुमूली में विनियम 58 के अधीन “निम्न और गैलरिया” नाम के सामने विद्यमान प्रतीक और प्रक्रियाओं के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

प्रतीक

टिप्पणी

बिंदु नेवार्डों द्वारा अधिक खुदाहयों का गर्वक्षण नहीं किया गया है और उनका विस्तार शुल्क रूप से बात नहीं है।



[फारू म. प्रा-66012/6/184/86-एम.-I एल एम एम] प्रारू टी. पांडेय, उप-मंत्रिव

MINISTRY OF LABOUR

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th June, 1990

G.S.R. 550(E):—Whereas the draft of certain regulations further to amend the Coal Mines Regulations, 1957 was published under sub-section (1) of section 59 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), [(I) in the Gazette of India, Part II Section 3(i) dated the 23rd June, 1988 and (II) in the Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 3(i), dated the 15th July, 1988] under the respective notifications of the Government of India in the Ministry of Labour Nos. 732 dated the 23rd June, 1988 and S.O. 787 (E) dated the 15th July, 1988, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, till the expiry of a period of three months from the date of publication of the said notification in the Official Gazette;

And whereas the said Gazettes were made available to the public on the 1st August, 1988 and 23rd August, 1988 respectively;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 57 of the said Act, the Central Government, after referring the said draft to the Committee constituted under the said Act and after giving it a reasonable opportunity of reporting as to the expediency of making

of the said regulations and as to the suitability therof as required by Sub-section (4) of Section 59 of the said Act, hereby makes the following regulations further to amend the Coal Mines Regulations, 1957, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Coal Mines (Amendment) Regulations, 1990.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In regulation 2 of the Coal Mines Regulations, 1957, (hereinafter referred to as the said regulations), after clause (34) the following clause shall be inserted, namely:—

“(34-A) “Working” means any excavation made or being made in a mine for search of or obtaining coal.”

3. After sub-regulation (10) of the regulation 11 of the said regulations, the following proviso shall be inserted, namely:

“Provided that if at any meeting there is no quorum as aforesaid, the meeting shall automatically stand adjourned to a date which is seven days later or if that day is a public holiday to the next working day and the time, place and agenda for the adjourned meeting shall remain unchanged. It shall thereupon be lawful to dispose of the business at such meeting irrespective of the number of members attending.”

4. In regulation 15 of the said regulations:

(i) for sub-regulation (2), the following sub-regulation shall be substituted, namely:—

“(2) No person shall be admitted as a candidate to any examination for Manager’s, Surveyor’s, Overman’s or Sirdar’s Certificate unless he has passed the Secondary School examination of a recognised Board or its equivalent, and for an Engine-driver’s or Shotfirer’s Certificate unless he satisfies the Board that he is literate:

Provided that nothing in this sub-regulation shall be deemed to debar a person not satisfying the provisions thereof from being admitted at an examination for a Sirdar’s Certificate on or before the 1st day of January, 1992, if he had been admitted at an examination for the said Certificate earlier.”

(ii) sub-regulation (2A) shall be omitted.

5. For regulation 20 of the said regulations, the following regulation shall be substituted, namely:—

“20. Fees for grant of certificates: (1) Fees on the following scale shall be paid in respect of every application for the grant of a certificate:

(a) in the case of a First Class Manager’s Certificate..Rs. 100.00

(b) in the case of a Second Class Manager’s Certificate..Rs. 75.00

(c) in the case of a Surveyor’s Certificate..Rs. 50.00

(d) in the case of an Overman’s Certificate..Rs. 50.00

(e) in the case of a Sirdar’s Certificate..Rs. 30.00

(f) in the case of a I Class Engine-driver’s Certificate..Rs. 30.00

(g) in the case of a II Class Engine-driver’s Certificate..Rs. 25.00

(h) in the case of a Shot-firer’s Certificate..Rs. 25.00

(i) in the case of Gas-testing Certificate..Rs. 25.00

(j) in the case of a Lamp-checker’s Certificate..Rs. 25.00

(2) Except where the candidate has died before the examination for grant of a certificate, fee paid as aforesaid shall not be refundable.”

6. In regulation 22, for the word “stipulate”, the word “prescribed” shall be substituted.

7. Regulation 25 of the said regulations shall be omitted.

8. For regulation 26 of the said regulations, the following shall be substituted, namely:—

“26. Suspension or cancellation of Manager’s, Surveyor’s, Overman’s, Sirdar’s, Engine-driver’s Shot-firer’s or Gas-testing Certificates:—(1) If the Regional Inspector is of the opinion that the holder of a Manager’s, Surveyor’s, Overman’s, Sirdar’s, Engine-driver’s Shot-firer’s or Gas-testing Certificate is incompetent or is

guilty of negligence or misconduct in the performance of his duties under the Act or under these regulations, he shall bring the matter to the notice of the Board.

The Board may authorise in writing an Inspector, not being and not below the rank of the Inspector whose report formed the basis of the said opinion, to hold an enquiry to determine whether or not such a person (hereinafter referred to as the delinquent) is fit to continue to hold such certificate. The Board shall, before the beginning of the enquiry, furnish to the delinquent a statement of the case on which the enquiry is instituted.

(2) During such enquiry the Inspector authorised to conduct the enquiry shall be provided with all relevant documents and he shall record:

- (a) the evidence of any witness that formed the basis of the said opinion;
- (b) any evidence that the delinquent may like to give;
- (c) the evidence of any witness that the delinquent may like to produce;
- (d) the evidence of Manager of the mine; and
- (e) any other evidence that may be considered necessary or relevant by the Inspector conducting the enquiry.

Unless the delinquent fails to be present in spite of sufficient notice, the evidence aforesaid shall be recorded in the presence of the delinquent and he shall be given a reasonable opportunity to cross-examine the witness (other than those produced by him). The Inspector conducting the enquiry also may cross-examine the delinquent and the witnesses.

(3) The Inspector who conducted the enquiry shall, within fifteen days from the date of conclusion of his enquiry, send a report to the Board together with his findings, the notes of evidence recorded during the enquiry and other relevant records.

(4) Copies of the notes of evidence and the findings of the Inspector who conducted the enquiry shall also be sent to the delinquent who may submit his written representation to the Board within thirty days from the date of despatch of such copies.

(5) The Board may, after considering the evidence and other records and the written representation, if any, submitted by the delinquent, either cause further enquiry to be made in the case and thereupon, or otherwise, either exonerate the delinquent of the charges against him or suspend or cancel the certificate, as it deems fit.

(6) Against any order of the Board under this regulation, an appeal shall lie before Central Government within 30 days of the order.

(7) Where a certificate is suspended or cancelled under this regulation suitable endorsement may be made on such certificate or a duplicate thereof issued under regulation 23."

9. In regulation 31 of the said regulations, the second proviso to sub-regulation (2) and the words "or of Regulation 149," occurring in sub-regulation (3), shall be omitted.

10. After regulation 32 of the said regulations, the following regulations shall be inserted, namely:—

"32-A. Qualifications and appointment of ventilation officer. In every mine consisting of gassy seams of first degree, the average output of which exceeds 5,000 tonnes or of second or third degree the average output of which exceeds 2,500 tonnes, the manager shall be assisted in the work of supervising the maintenance of the ventilation system of the mine in accordance with the provisions of these regulations by a ventilation officer who shall be a person holding the following qualifications:—

(a) in the case of a mine consisting of gassy seams of first degree and having an average output in excess of 15,000 tonnes or a mine consisting of gassy seams of second or third degree and having an average output in excess of 10,000 tonnes, a Manager's Certificate; and

(b) in every other case, a Manager's Certificate or a Degree, Diploma or Certificate in Mining or Mining Engineering approved for the purpose of the proviso to sub-regulation (1) of regulation 16.

Provided that, where special conditions exist, the Regional Inspector may, by an order in writing and subject to such conditions as he may specify therein, permit or require the appointment of a ventilation officer in variance of

these provisions or require the appointment of such number of persons to assist the ventilation officer, as may be specified in the order:

Provided further that, in the case of a mine consisting of gassy seams of first degree and having an average output less than 15,000 tonnes, the Regional Inspector may, considering the nature and extent of working therein, permit, by an order in writing and subject to such conditions as he may specify therein combining of the post of ventilation officer with that of safety officer appointed under regulation 31-A.

Explanation:—For the purpose of this regulation the expression “average output” means the average per month of the total output during the preceding financial year from the below-ground workings of all seams. Where the mine consists of gassy seams of different degrees, the aforementioned average output shall be deemed to be from the seam or seams of the highest degree of gassiness.”

11. After sub-regulation (1) of regulation 34 of the said regulations, the following sub-regulation shall be inserted, namely:—

“(1A) The district assigned to an overman under sub-regulation (1) shall not be of such a size, nor shall any additional duties other than his duties under these regulations be such, as are likely to prevent him from carrying out in a thorough manner the duties prescribed for him under these regulations and in case any doubt arises as to the foregoing duties it shall be referred to the Chief Inspector for decision.”

12. In sub-regulation (8) of regulation 41 of the said regulations, for the words “of the site of the accident showing details, shall be recorded in a bound-paged book kept for the purpose” the words “and sections and wherever practicable a photograph or photographs of the site of the accident showing details shall be recorded in a bound paged book kept for the purpose and a copy thereof shall be furnished to the Chief Inspector and Regional Inspector within fifteen days of the accident” shall be substituted.

13. In sub-regulation (2) of the regulation 41 A of the said regulations, for the word “if” the words “Except in an emergency, no duties other than those specified above shall be assigned to

the safety officer and whenever” shall be substituted.

14. In sub-regulation (2) of regulation 42A of the said regulations, for the word “if” the words “Except in an emergency no duties other than those specified above shall be assigned to the ventilation officer and whenever” shall be substituted.

15. In regulation 100 of the said regulations:—

- (i) in sub-regulation (1), for the words “Chief Inspector”, the word “Regional Inspector” shall be substituted.
- (ii) sub-regulation (4) shall be omitted.
- (iii) in sub-regulation (5) after the words, “as small an area of uncollapsed roof as possible”, the words, “with due regard to danger from an airblast or weighing on pillars” shall be inserted.

16. In regulation 103A of the said regulations:

(a) in sub-regulation (1), after the existing proviso the following proviso shall be inserted, namely :—

“Provided further that an entry made in the register or the absence of an entry therein as also a communication in pursuance with the aforesaid proviso or absence thereof shall not in any way limit the duties or obligations of a person under the Act or the regulations, rules, bye-laws or orders made thereunder.”

(b) for sub-regulation (2), the following sub-regulation shall be substituted namely :—

“(2) When an entry is made in the register—

(a) the owner, agent and manager shall each be deemed to know what is contained in that entry; and

(b) a copy thereof shall be displayed within three days of the date of such entry on the notice board of the mine for not less than fifteen days.”

(c) after sub-regulation (3), the following sub-regulation shall be inserted, namely :—

“(4) The register—

(a) shall be kept available for inspection in the office of the mine for a period of at least three years after the date of making of the last entry in it; and

(b) shall not be removed therefrom before the expiry of the aforesaid period, except by or with the approval in writing of the Regional Inspector.

17. In regulation 108 of the said regulations —

(i) after clause (b) of sub-regulation (1), the following clause shall be inserted, namely :—

“(bb) every development working within 10 metres of face and every junction of roadways immediately outbye of a development face;”

(ii) for sub-regulations (2) and (3), the following sub-regulations shall be substituted namely :—

“(2) The manager of every mine having workings below ground shall, before commencing any operation specified in sub-regulation (1) and also when required by the Regional Inspector, frame, with due regard to the physico-mechanical properties of strata, local geological conditions, system of work and mechanisation, and past experience, and enforce Systematic Support Rules specifying in relation to each working place the type and specifications of supports and the intervals between,—

- (i) supports on roadways including places where machinery is used for cutting, conveying or loading;
- (ii) each row of props, roof bolts or other supports;
- (iii) adjacent rows of props, roof bolts or other supports;
- (iv) last row of supports and the face;
- (v) hydraulic chocks and powered supports; and
- (iv) the pack and the face;

Provided that, in respect of a mine where development operations are already in progress, the Systematic Support Rules in relation to the working places specified in clauses (bb) and (c) of sub-regulation (1) shall be framed and enforced within 15 days of the date of coming into force of this sub-regulation.

(3) The manager shall, at least 30 days before the commencement of any operation specified in sub-regulation (1) and subject to the proviso to sub-regulation (2) submit a copy of the Systematic Support Rules to the Regional Inspector who may, at any time, by an order in writing, require such modification in the Rules as he may specify thereon.

(iii) In sub-regulation (4), the words “framed and approved as aforesaid” and the word “other” shall be omitted.

(iv) after sub-regulation (5) the following sub-regulation shall be inserted, namely :—

“(6) The manager shall formulate and implement a code of Standing Orders specifying—

(a) the system and the organisation for procurement and supply of supports of suitable material, of adequate strength and in sufficient quantity where these are required to be readily available for use;

(b) the method of handling including dismantling and assembling where necessary and transportation of the supports from the surface to the face and from the face line to their new site;

(c) the system and the organisation for maintenance and checking of supports, dressing the roof and sides, erecting, examining and re-tightening of supports and re-erecting dislodged supports, including the use of appropriate tools;

(d) the panel of competent persons for engagement as substitutes in the event of a regular supportsman or dresser absenting from duty; and

(e) the manner of making all concerned person such as, loaders, dressers, supportsmen, shortfirer, sirdars, overmen and assistant managers including persons empanelled for engagement as substitute supportsman or dresser fully conversant with the Systematic Support Rules and the Codes of Standing Orders under this sub-regulation and under regulation 110 and the nature of work to be performed by each in that behalf”.

18. For regulation 109 of the said regulations, the following regulation shall be substituted, namely :

“109. Setting of supports.—(1)(a) Every prop shall be set securely and on a sound foundation, and shall be kept tight against the roof.

(b) Where a prop is set on sand or other loose material, a flat base-piece not less than 5 centimetres in thickness 25 centimetres in width and 75 centimetres in length shall be used.

(c) The lid used over a prop shall have a width not less than the diameter of the prop, a thickness not less than 8 centimetres and a length not less than 50 centimetres.

(2) Every bar set for supporting the roof of a roadway shall be set securely on props or on cogs or on steel clamps of suitable design and adequate strength, securely fixed on the sides of the roadway or in holes at least 50 centimetre deep made in the sides of the roadway and shall be made and kept tight against the roof. Where lagging is necessary the number of laggings shall not be less than one for every metre length of the bar and the laggings shall be made and kept tight against the roof.

(3)(a) Every cog used as a support shall be well-built and set on the natural floor or on a secure foundation, and shall be made and kept tight maintaining maximum possible contact against the roof.

(b) Only rectangular pieces shall be used as members of a cog, so however that, in case of timber it shall be sufficient to joggle two opposite sides.

(c) The cogging members shall be not less than 1.2 metres in length.

(d) Before erecting cogs in a depillaring area, props shall be erected at the corners of each cog.

(4) In inclined seams the supporting props and cogs shall be so set as to ensure maximum support having regard to the inclination of the seam or roadway and probable strata movement. Where necessary such supports shall be re-inforced to prevent displacement.

(5) Every ledge and every prominent crack or slip in the roof shall be kept supported with at least a pair of cogs or cross-bars suitable lagged.

(6) Overhanging sides shall be dressed down. Where this is not practicable, stay props or other suitable means of support shall be erected at intervals not exceeding one metre.

(7) Where sand or other material is stowed or a pack is formed for the purpose of support, it shall be packed or made as tight against the roof as practicable over its whole area.

(8)(a) Roof and sides and supports shall be tested as often as necessary; and except where it is no longer necessary for purposes of support, any support loosened, broken or dislodged by or removed in any operation shall be tightened, replaced or re-set with the least possible delay and particularly before persons are allowed to pass or resume work after an interruption. Where floor

coal or roof coal is taken, shorter props shall be replaced with longer props.

(b) In every place wherein roof coal is taken or a fall of roof or sides has occurred, no work of cleaning the dislodged coal or the fall or any part thereof shall be undertaken nor shall any person be allowed to pass, until the newly exposed roof and sides in the vicinity thereof have been examined and made safe, if necessary, by temporary supports.

(9) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (8), only such minimum number of persons may be engaged under the supervision of a sirdar or overman as may be necessary for securing the roof and sides thereat.

(10) Where roof bolts are used for support, the bolts shall be securely fixed in place.

(11)(a) Powered supports, hydraulic chocks or link-bars shall be advanced as soon as practicable after a web of coal has been taken off the face so as to ensure that the area of unsupported newly exposed roof is kept to a minimum.

(b) Powered supports, hydraulic chocks and props and friction props shall be set securely and checked from time to time. When any defect is detected in any powered support or hydraulic chock the same shall be attended to as soon as possible and until then the roof at that place shall be kept effectively supported with conventional supports. Any defective hydraulic or friction prop shall be replaced immediately.

(c) Where, by reason of any irregularity in the roof, floor or sides or due to any other reasons, any powered support or hydraulic chock become ineffective, conventional supports in sufficient number shall be used."

19. For regulation 110 of the said regulations, the following regulation shall be substituted; namely :-

"110. Withdrawal of supports.—Whenever supports are to be withdrawn, the withdrawal shall be done in accordance with the method which shall be specified in the Manager's Standing Orders. The standing orders shall cover.

(a) the supply and use of appropriate tools and safety contrivances;

- (b) the setting of extra supports to control the collapse of roof from which supports are being withdrawn;
- (c) the sequence of withdrawal of supports; withdrawal of a cog to precede withdrawal of its corner props;
- (d) safe positioning of the persons engaged in the operation and all other persons present nearby;
- (e) training of competent persons who are entrusted with the operations; and
- (f) supervision during withdrawal of supports".

20. In regulation 118A of the said regulations :—

- (i) in clause (c) of sub-regulation (3), for the words "goaved out area" the words "goaved out area and unused workings" shall be substituted.
- (ii) proviso to sub-regulation (4) shall be omitted.

21. In regulation 119 of the said regulations :—

- (i) in clause (a) of sub-regulation (1) after the words "broken out", the words "effective steps shall be taken, without delay, to deal with the fire or heating and" shall be inserted.
- (ii) for sub-regulation (2), the following sub-regulations shall be substituted, namely :—

"(2) During the whole time that any work of dealing with or sealing-off a fire or heating is in progress—

- (a) a competent person shall be present on the spot throughout;
- (b) adequate precautions shall be taken to prevent danger to persons from any noxious asphyxiating or inflammable gases; flame, steam and ejected or roiling down hot material; explosion of water gas and falling into crevices or pot holes that may occur in the area on fire;
- (c) there shall be kept available at or near all places below ground :—

 - (i) adequate number of self-rescuers and at least two smoke helmets or other suitable apparatus for use in emergency;
 - (ii) a cage containing suitable birds or other means of detecting carbon monoxide gas approved by the Chief Inspector; and
 - (iii) a flame safety lamp or other means of detecting carbon dioxide gas and oxygen deficiency, approved by the Chief Inspector.

(3) The manager of every mine shall prepare and establish a detailed scheme for the provision and

maintenance of suitable fire-fighting arrangements; for the prevention, detection, dealing and control of any heating or fire; for the examination and maintenance of the protective measures taken to control or isolate a fire or heating and for ensuring safety of persons engaged in the said operations. The scheme shall be suitably modified and kept updated as the situation warrants."

22. For regulation 120 of the said regulations, the following regulation shall be substituted, namely :—

"120. Equipment and organisation for fire-fighting.—(1) In every mine :—

- (a) unless expressly exempted in writing by the Regional Inspector, effective means of delivering to all working places belowground and all other places of fire risk such as coal stocks, spoil heaps containing carbonaceous material and exposed coal surfaces liable to heating an adequate quantity of water at sufficient pressure for the purpose of efficient fire fighting shall be provided and kept maintained;
- (b) fire stations with a suitable supply of fire-fighting equipment shall be established and kept maintained at convenient points, both on surface and belowground; and
- (c) sufficient supply of sand or incombustible dust or suitable portable fire extinguishers shall be provided at :—
 - (i) every entrance to a mine or district and at every landing and shaft bottom in use;
 - (ii) every place where timber, grease, oil or other inflammable material is stored;
 - (iii) every engine room, electrical gear, driving unit of roadway conveyor, diesel engine maintenance workshop and filling station, storage battery charging station; and
 - (iv) such other special places of fire risk as may be specified by the manager.
- (d) an upto-date fire-fighting plan showing the water mains, taps, fire-stations, pumping stations, ventilation system, escape routes etc. shall be kept maintained and a copy thereof posted in the mine office and at convenient places belowground. Adequate number of persons shall also be trained in the use of fire-extinguishers and in fire-fighting. All such persons shall be made familiar with the position of all fire-fighting equipment provided in the mine.

2(a) Soda-acid type extinguishers or water shall not be used for fighting oil or electrical fires.

(b) Foam type extinguishers shall not be used for fighting electrical fires.

(c) Fire-extinguishers containing chemicals which are liable, when operated, to give off poisonous or

noxious gases, shall not be provided or used below-ground :

Provided that nothing in this clause shall be deemed to prohibit the use belowground of fire-extinguishers giving off carbon dioxide when operated.

(3) (a) A competent person shall, once at least in every month, examine all the equipment, material and arrangements provided for fire-fighting and shall discharge and re-fill the fire-extinguishers as often as may be necessary to ensure that these are in proper working order.

(b) Any deficiency found during any such examination or otherwise shall be immediately remedied.

(c) A report of every such examination including discharge and re-filling of fire-extinguishers shall be made in a bound-paged book kept for the purpose and shall be signed and dated by the person making the examination.”.

23. In clause (a) of sub-regulation (4) of regulation 122, after the words “healing belowground”, the words “or to seal off goaf or an area of old workings” shall be inserted.

24. For regulation 123, the following regulation shall be substituted, namely :—

“123. Precautions against dust.—(1) The owner, agent or manager of every mine shall take such steps as are necessary for the minimising of emissions of dust and for the suppression of dust which enters the air at any workplace belowground or on surface and for ensuring that the exposure of workers to respirable dust is limited to an extent that is reasonably practicable but in any case not exceeding the limit that are harmful to the health of persons.

(2) For the purpose of this regulation, a place shall not be deemed to be in a harmless state for persons to work or be therein if the 8 hours time-weighted average concentration of airborne respirable dust in milligrams per cubic metre of air sampled by a gravimetric dust sampler of a type approved by and determined in accordance with the procedure as specified by the Chief Inspector by a general or special order exceeds three where working is being made wholly in a coal seam or where free respirable silica present is less than 5 per cent and the value arrived at by dividing the figure of fifteen with the percentage of free respirable silica present in other cases.

(3) (a) The owner, agent or manager of every mine shall, within six months of the coming into force of this regulation and once at least every six months thereafter or whenever the Regional Inspector so requires by an order in writing, cause the air at every work place where respirable dust is evolved to be sampled and the concentration of respirable dust therein determined :

Provided that, if any measurement of any workplace shows the concentration in excess of fifty per cent or seventy-five per cent of the allowable concentration specified in sub-regulation (2) (hereinafter referred to as “permissible limit”) the subsequent

measurements shall be carried on at intervals not exceeding three months or one month respectively :

Provided further that, such measurements shall also be carried on immediately upon the commissioning of any plant, equipment or machinery or upon the introduction of any new work practice or upon any alteration therein that is likely to bring about any substantial change in the levels of airborne respirable dust.

(b) The samples drawn shall as far as practicable, be representative of the levels of dust exposure of work-persons. For this purpose, the sampler shall be positioned on the return side of the point of dust generation and within 1 metre of the normal working position of but not behind the operator or other worker whose exposure is deemed to be maximum in his working group.

(c) Based on the results of fixed-point sampling the representative dust exposure profiles for different categories of workers shall be estimated and as a measure of cross-check the “static monitoring” shall be duly supplemented by “portal to portal personal monitoring” of selected workers whose exposure is deemed to be representative of their working groups.

(d) Samples shall be taken by a person who has been specially trained for the purpose in the sampling equipment and accessories that have been checked to ensure correct maintenance and efficient operation thereof and examined, treated and calibrated on a date which is not earlier than one year.

(e) Respirable dust content of the samples and in case of samples collected from a working other than the working being made wholly in a coal seam, quartz content shall be determined as soon as practicable a properly equipped laboratory approved in writing by the Chief Inspector in that behalf.

(f) All results of measurement of airborne respirable dust and all other relevant particulars shall be systematically recorded within fourteen days of the date of collection of samples, in a bound paged book kept for the purpose, and every entry in the book aforesaid shall be countersigned and dated by the manager within twenty-four hours.

(4) When the dust monitoring results have established that the permissible limit of dust concentration is being exceeded at any place, immediate steps shall be taken to minimise the emission of dust and to notify the Regional Inspector. If, however, the average concentration of respirable dust in a series of 5 samples taken in 7 successive normal working shifts during the subsequent month exceeds one and a half times the “permissible limits”, the relevant operation or operations causing excessive dust shall cease. The operation or operations shall not be resumed and allowed to be carried on until improvements have been made in the prevention and suppression of dust and fresh sampling carried out immediately on resumption of the said operation or operations has established that such improvements have reduced the dust concentration below the “permissible limit”;

Provided that if the dust prevention and suppression device of any machinery of equip-

ment fails to operate efficiently the operation of the said machinery or equipment shall likewise cease and shall not be resumed until the defect therein has been rectified :

Provided further that, purely as a contingency measure or as secondary means of protection in a work situation wherein it is technically not feasible to reduce the respirable dust concentration below "permissible limit" or during the time period necessary to install and commission any device or to institute any new work practice for dust prevention or suppression, compliance with the permissible limit of dust may be achieved by remote operation or by a job rotation and failing which by the use of suitable dust respirator.

(5) The power, agent or manager of every mine where need of dust respirators might arise, shall provide dust respirators in sufficient number and at no cost to the concerned workpersons for their use: for the dust respirators to be regularly cleaned, disinfected and maintained in efficient working order; and for the proper fitting of and for thorough training of the concerned workers in the need for and correct use of respirators.

(6) To prevent the liberation and accumulation of dust and the propagation of airborne dust, the following provisions shall have effect namely :—

- (a) dust shall be suppressed as close as possible to its source of formation;
- (b) during any operation of drilling of boring in stone on surface or belowground —
 - (i) the production of dust shall be reduced by using bits which are sharp and of proper shape, by keeping suitable pressure on the bits and by keeping the holes clear of the cuttings;
 - (ii) except in naturally wet ground, a jet of water shall be directed on to the cutting edge to wet the cuttings or other equally efficient device approved by the Chief Inspector shall be provided and kept in operation to prevent the atmosphere being charged with dust. Where pneumatic drilling is performed, water shall be turned on before turning on compressed air to the drill. When however, drilling is done by hand, it shall be sufficient if holes are kept constantly moist during such drilling;
- (c) every roadway on surface or belowground, where mobile mining machinery ply, shall be regularly wetted or shall be effectively treated with some other equally efficient agent to reduce dust being raised in the atmosphere to a minimum;
- (d) no plant for the screening or sorting of coal and as far as practicable, no heap of

cinder, cement, sand, mortar or other dry and fine material, shall be placed within 80 metres of the top of down cast shaft or intake air way nor shall any such material be so handled as to make it air-borne and drawn into any such shaft or such airway;

(e) in every mine belowground—

- (i) no machinery or equipment which is likely to emit dust in excess of "permissible limit" shall be operated unless it is equipped with a suitable dust prevention and suppression device and unless such device is operating efficiently;
- (ii) the design, arrangement, material and condition of picks on every mechanical coal cutter shall be such as to reduce the formation of dust to the minimum and no mechanical coal cutter shall be operated unless suitable water sprays or jets of water are directed on the cutting edges thereof so as to damp the cuttings as they are formed;
- (iii) every working face and the floor, roof and sides of every roadway or airway within 50 metres thereof shall be, unless naturally wet throughout, regularly washed down to prevent accumulation of dust and shall be kept thoroughly wetted during work shifts;
- (iv) a current of air sufficient to clear away the dust emitted by any machinery or operation and to dilute the dust concentration below the "permissible limit", shall be maintained by means of general ventilation and if necessary, by local ventilation, so however, that, as far as practicable, the velocity of air in any roadway or workplace shall not be such as to raise dust in the atmosphere;
- (v) after blasting, working places shall not be entered unless sufficient time has elapsed for dust, smoke and fumes to be cleared by a current of air and the broken material shall not be moved unless it has been thoroughly wetted with water;
- (vi) vehicles, tubs and conveyors used for transport of coal shall be maintained in good condition so as to minimise spillage or leakage. Chutes, spiral conveyors, bins, tipplers, conveyor discharge points and skip loading and unloading installations shall be so controlled as to reduce the formation of dust to the minimum. Such material shall be also thoroughly wetted with water unless it is already wet or other effective means of dust suppression are used; and

(vii) unless owing to special difficulties, exempted in writing by Regional Inspector in that behalf and subject to such conditions as he may specify therein, water in pipes in sufficient quantity and under adequate pressure and independent of any pumping system, shall be provided and maintained so as to get maximum efficiency in the allaying of dust.

(f) no process of crushing, breaking, disintegrating, dressing, sorting, grinding, screening or sieving of coal or any operation incidental thereto, shall be carried out at any mine unless efficient watering or other appropriate and effective dust control measures, such as, but not limited to isolation, enclosure, exhaust ventilation and dust collection are designed, provided, maintained and used.

(g) the exhausted air, belowground, which contains dust in excess of the "permissible limit" shall be efficiently diluted and if necessary filtered so as to reduce the concentration of respirable dust therein below ten per cent of the "permissible limit" before being recirculated into workplaces.

(h) every device used for the prevention and suppression of dust produced by any machinery, equipment or process as also for the filtering of the exhausted air and every dust respirator shall be inspected once least in every seven days and shall be thoroughly examined and tested at least once in every period of six months and the results of every such inspection, examination and test shall be recorded in the register maintained under clause (f) of the sub-regulation (3).

(7) The manager of every mine where airborne dust is generated shall formulate and implement a scheme specifying—

- the location, frequency, timing, duration and pattern of sampling;
- the instruments and accessories to be used for sampling;
- the laboratory at which respirable dust content of samples and quartz content shall be determined;
- the format in which the results of measurements of dust concentration and other particulars are to be recorded;
- the organisation for dust monitoring and for the examination and maintenance of dust prevention and suppression measures and dust respirators; and
- the manner of making all persons concerned with the implementation of the dust control measures fully conversant with the nature of work to be performed by each in that behalf.

(8) The Regional Inspector may, where special conditions exist, permit or require by an order in writing and subject to such conditions as he may specify therein, any variation in the foregoing provisions or in the manager's scheme.

(9) If any doubt arises as to any matter referred to in this regulation, it shall be referred to the Chief Inspector for decision."

25. After sub-regulation (1) of regulation 123A of the said regulations, the following sub-regulation shall be inserted namely :—

"(1A)(a) Every part of a mine which is not naturally wet throughout or which is not isolated by explosion-proof stoppings shall be treated—

(i) with fine incombustible dust in such manner and at such intervals as will ensure that the dust on the floor, roof and sides and any support or structure shall always consist of a mixture containing not less than that 75% of incombustible matter in case of coal seams containing less than 30% volatile matter (on dry ash free basis) and 85% of incombustible matter in case of coal seams containing more than 30% of such volatile matter; or

(ii) with water in such manner and at such intervals as will ensure that the dust on the floor, roof and sides and on any support or structure is always combined with not less than 30% by weight of water in intimate mixture; or

(iii) in such manner as the Regional Inspector may approve by an order in writing.

(b) The incombustible dust used for the purpose of this sub-regulation shall be :—

(i) such that it does not contain more than 5% of free silica;

(ii) of such fineness and character, that it is readily dispersable into the air and that, when used in places which are not directly wetted by water from the strata it does not cake but it is dispersed into the air, when blown upon with mouth or by a suitable appliance; and

(iii) as far as practicable light in colour.

(c) No such incombustible dust shall continue to be used if it is found by tests which shall be carried out once at least in every three months, not to comply with the foregoing requirements :

Provided that when the supply of incombustible dust used in a mine is not from a regular source, these tests shall be carried out whenever a fresh supply of incombustible dust is received.

(d) Where any place or part of the mine is to be treated with incombustible dust :—

- (i) before treating with incombustible dust, all coal dust shall be cleaned, as far as practicable, from the roof, sides, floor, props, cogs, bars, brattice cloth or any other objects or structure or place on which coal dust may deposit, and all dust so collected shall be removed to the surface within 24 hours.
- (ii) in combustible dust shall be spread on the objects, structure and places aforesaid in adequate quantity and at such intervals as may be necessary to ensure compliance with the provisions of this sub-regulation.
- (iii) the cleaning of coal dust and spreading of incombustible dust shall be carried out in the direction of the flow of the air;
- (iv) a sufficient supply of incombustible dust shall be kept readily available at suitable places in the mine, and any deficiency in the supply of dust underground shall immediately be brought to the notice of the manager; and
- (v) incombustible dust stacked at different places and kept on pans or on dust barriers in the mine shall be charged whenever it is no longer readily dispersable or whenever it becomes coated with coal dust, such dust shall be removed.”.

26. In regulation 123B of the said regulations :—

- (i) in sub-regulation (1), for the word and figure “regulation 123”, the word and figure and letter “Regulation 123 and 123A” shall be substituted.
- (ii) in sub-regulation (4), —
 - (A) in clause (b) for the figure and word “24 hours”, the figure and word “20 hours” shall be substituted.
 - (B) in clause (c) for the word, figures, brackets and letter “regulation 123(5)(b)” wherever used, the word, figures, brackets and letter “regulation 123A(1A)(a)” shall be substituted.
- (iii) in sub-regulation (5) for the word, figures, brackets and letter “regulation 123(5)(b)” the word, figures, brackets and letter “123A(1A)(a)” shall be substituted.

27. In regulation 127 of the said regulations :—

- (i) for sub-regulations (1), (2) and (3) the following sub-regulations shall be substituted, namely:—

“(1) Proper provision shall be made in every mine to prevent irruption of water or other liquid matter or any material that is likely to flow when wet from the workings of the same mine or of an

adjoining mine and to prevent accidents while drilling bore holes for probe or release of a body of water or other liquid matter.

(2) Where work is being done in —

- (a) (i) any seam or section below another seam or section; or
- (ii) any place in a seam or section, which is at a lower level than any other place in a lower seam or section; or
- (iii) any place in a seam approaching a fault passing through an upper seam or section, which contains or may contain an accumulation of water or other liquid matter or any material that is likely to flow when wet; or

- (b) any water-bearing strata, all useful information including the position, extent and depth of the abovementioned features shall be acquired and kept recorded and a scheme of working designed to prevent irruption of water or other liquid matter or any material which flows when wet shall be prepared and put into operation.

(3) Without prejudice to the requirements of sub-regulation (1) and sub-regulation (2), no working which has approached within a distance of 60 metres of any other working (not being the working which has been physically examined and found to be free from accumulation of water or other liquid matter or any material that is likely to flow when wet) and whether in the same mine or in an adjoining mine, shall be extended further except with the prior permission in writing of the Regional Inspector and subject to such conditions as he may specify therein.

Explanation — For the purpose of this sub-regulation, the distance between the said workings shall mean the shortest distance between the workings of the same seam or between any two seams or sections, as the case may be, measured in any direction whether horizontal, vertical or inclined.”.

(ii) In clause (a) of sub-regulation (6) after the words “All such bore holes shall be”, the words, “drilled sufficiently close to each other to ensure that the advancing face will not accidentally hole through into a working containing water or liquid matter or any material that is likely to flow when wet and shall be” inserted.

28. In the Table under regulation 136A of the said regulations, in column 1, for the words “First degree”, the words “First, Second or Third degree” and for the words “Second degree”, the words “First or Second degree” shall be substituted.

29. In regulation 146, for the said regulations :—

- (i) for the sub-regulation (1), the following sub-regulation shall be substituted, namely:—

“(1) No working or gallery shall be extended to a distance of more than 4.5

metres from the nearest ventilation connection unless the current of air is coursed upto a point within 4.5 metres of the face, by means of fire resistant pipes, tubes, brattices or other material.”.

(ii) sub-regulations (7) and (8) shall be omitted.

30. Regulation 149 of the said regulations shall be omitted.

31. In sub-regulation (1) of regulation 194 of the said regulations, for the figures and brackets, “119 (2)”, the words, figures and brackets, “118A(3)(c), 119(2)(a) and 120(3)(a)” shall be substituted.

32. In regulation 204 of the said regulations :—

(i) for the marginal heading, the following marginal heading shall be substituted namely :—

“Appeals to the Committee.”

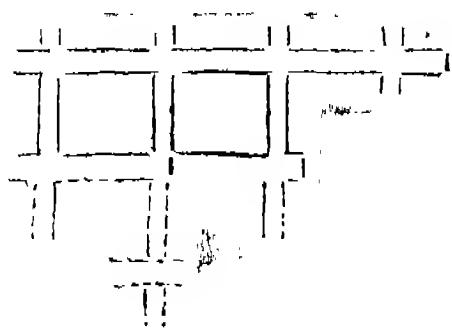
(ii) in sub-regulation (1) :

(a) for the words “Against any order of the Chief Inspector specified below”, the words “Against any original order made by the Chief Inspector under any of these regulations, or against any order passed under regulation 203 by the Chief Inspector on an appeal against Regional Inspector’s order” shall be substituted.

(b) clauses (i) and (ii) shall be omitted.

33. In the Second Schedule (under regulation 58) of the said regulations, against the NAME, “PILLARS AND GALLERIES” for the existing symbol and entries, the following shall be substituted, namely :—

SYMBOL	REMARKS
WORKINGS SHOWN BY DOTTED LINES ARE NOT SURVEYED AND THEIR EXTENT IS NOT CORRECTLY KNOWN	



[File No. S-66012/1&4/86-M1/LSH-II]
R. T. PANDEY, Dy. Secy.

